उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः 35 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 28 सितंबर-2026

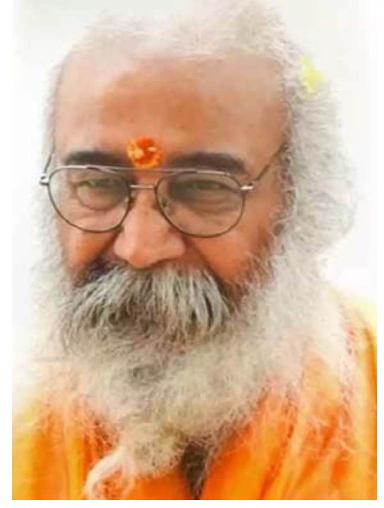

अंदर के पृष्ठ पर

घंटा घड़ियाल बजा सीएम ग्रिड सड़क का दीपावली से पहले निर्माण करने व गड्ढे भरने की मांग 4

आचार्य प्रमोद कृष्णम को जान से मारने की धमकी, ऑडियो मैसेज से मचा हड़कंप 5

अयोध्या के ऐतिहासिक स्थलों पर लगेंगे श्रीराम स्तंभ, अशोक सिंघल की 100वीं जयंती पर खास पहल

» बीपीएस न्यूज

अयोध्या। राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार और विश्व हिंदू परिषद के संस्थापक अशोक सिंघल की 100वीं जयंती के अवसर पर रामनगरी के 10 ऐतिहासिक स्थलों पर अशोक सिंघल फाउंडेशन के नेतृत्व में श्री राम स्तंभ स्थापित किया जा रहा है। इसके अलावा 200 से अधिक उन स्थानों पर भी इन स्तंभ को स्थापित किया जाएगा। स्वर्गीय अशोक सिंघल फाउंडेशन के द्वारा पिंक सेंडस्टोन के पत्थरों से स्तंभ का निर्माण कराया गया है। उनकी जयंती पर इसे ऐतिहासिक स्थलों में वेद श्रुति नदी कवरजा धाम, तमसा तट गौराघाट, प्राचीन दशरथ महल मंदिर, नंदीग्राम भारत कुंड हनुमान भरत मिलन मंदिर, जटाकुंड नंदीग्राम भरतकुंड, श्रृंगी ऋषि आश्रम, प्राचीन सूर्यकुंड, दशरथ समाधि स्थल, मखौड़ा धाम, प्राचीन सीता कुंड में स्थापित किया जा रहा है। पांच दिवसीय इस आयोजन के उद्घाटन सत्र के दौरान महापौर गिरीश पति त्रिपाठी और राम मंदिर धार्मिक समिति के सदस्य राजकुमार दास, आलोक सिंह, विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह, राम मंदिर की व्यवस्था प्रमुख इंद्रदेव मिश्रा भी मौजूद रहे।

इस दौरान उनके चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि अशोक सिंघल ने हिंदू संस्कृति, सनातन परंपरा और राम मंदिर के लिए अपना जीवन समर्पित किया।

पंजाब की यूनिवर्सिटीज में अफवाहों से बवाल

चितकारा के बाद एलपीयू में भी हिंसक प्रदर्शन

तोड़फोड़ और पुलिस के साथ झड़प में बदल गया

» बीपीएस न्यूज

पटियाला। पंजाब में पिछले 24 घंटे के दौरान दो प्रमुख निजी विश्वविद्यालयों में छात्रों के विरोध प्रदर्शन ने सोशल मीडिया पर फैलने वाली अपुष्ट सूचनाओं के खतरे को सामने ला दिया है। पहले राजपुरा के पास चितकारा यूनिवर्सिटी में सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों के बाद छात्रों ने प्रदर्शन किया, जो बाद में तोड़फोड़ और पुलिस के साथ झड़प में बदल गया। इसके अगले ही दिन फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में एक छात्रा से कथित दुष्कर्म की अपुष्ट सूचना के बाद छात्रों ने हंगामा किया और जालंधर-फगवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया। दोनों मामलों में पुलिस और विश्वविद्यालय प्रशासन ने वायरल दावों की पुष्टि नहीं की है।

राजपुरा स्थित चितकारा यूनिवर्सिटी में 25 सितंबर की रात सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट और वीडियो वायरल हुए। इनमें दावा किया गया कि छात्रावास में दो छात्राएं लापता हैं या उनकी मौत हो गई है। कुछ पोस्ट में छात्रावास में कथित तौर पर चीखें सुनाई देने और एक 'भूत' से जुड़ी अजीबोगरीब बातें भी कही गईं। इन दावों की कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई।अफवाहों के बाद बड़ी संख्या में छात्र कैंपस में जुट गए और विश्वविद्यालय प्रशासन से जवाब मांगने लगे। छात्रों ने सीसीटीवी फुटेज दिखाने की मांग भी की। बाद में विरोध प्रदर्शन उग्र हो गया और कैंपस की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस के वाहनों में भी तोड़फोड़ की गई।

पुलिस और विश्वविद्यालय अधिकारियों ने छात्राओं की मौत या उनके लापता होने की खबरों को खारिज किया। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शनकारी दो छात्राओं के लापता होने का दावा कर रहे थे, लेकिन उनके नाम, फोटो या पहचान से जुड़ी जानकारी नहीं दे सके। पुलिस और स्वास्थ्य अधिकारियों ने भी किसी छात्रा की मौत की पुष्टि नहीं की।चितकारा के बाद करीब एक

दिन के भीतर फगवाड़ा स्थित इसी तरह का घटनाक्रम सामने आया। शनिवार रात सोशल मीडिया पर संदेश वायरल हुए कि विश्वविद्यालय परिसर में एक छात्रा के साथ किसी बाहरी व्यक्ति ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया है। कुछ अन्य संदेशों में छात्रा की आत्महत्या की बात भी कही गई।

इन अपुष्ट दावों के बाद रविवार तड़के छात्राओं के हॉस्टल के पास बड़ी संख्या में छात्र जमा हो गए। स्थिति जल्द ही बिगड़ गई। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर ईंट-पत्थर और गमले फेंके, खिड़कियों के शीशे तोड़े और परिसर में कुछ सामान में आग लगा दी। बाद में छात्रों ने विश्वविद्यालय के गेट से बाहर निकलकर जालंधर-फगवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग भी जाम कर दिया।

कपूरथला के एसएसपी गौरव तूरा ने कहा कि पुलिस को कथित दुष्कर्म की घटना के संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है और शुरुआती जांच में वायरल दावे की पुष्टि करने वाला कोई साक्ष्य सामने नहीं आया है। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में बताया है।प्रशासन ने भी सोशल मीडिया पर फैल रही सूचनाओं को गलत और निराधार बताया तथा छात्रों और अभिभावकों से केवल विश्वविद्यालय के आधिकारिक माध्यमों से जारी जानकारी पर भरोसा करने की अपील की।

दोनों घटनाओं में तत्काल वजह सोशल मीडिया पर तेजी से फैली अपुष्ट सूचनाएं रहीं, लेकिन पुलिस से बातचीत में छात्रों की कुछ अन्य चिंताएं भी सामने आने की बात कही गई है। इनमें विश्वविद्यालय प्रशासन तक रोजमर्रा की शिकायतें ठीक से नहीं पहुंचने और समय पर जानकारी नहीं मिलने की शिकायतें शामिल हैं।इससे कैंपस में दो अलग-अलग लेकिन जुड़े हुए मुद्दे सामने आते हैं–अपुष्ट सूचना के बेहद तेजी से फैलने का खतरा और प्रशासन तथा छात्रों के बीच संवाद की कमी। हजारों छात्रों वाले परिसरों में सोशल मीडिया पर एक अफवाह कुछ ही समय में बड़े समूह को प्रभावित कर सकती है।पुलिस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल सामग्री पर नजर रख रही है और छात्रों से अपील की गई है कि किसी भी दावे को सत्यापित किए बिना उसे आगे न बढ़ाएं। विश्वविद्यालयों ने भी छात्रों से आधिकारिक सूचना का इंतजार करने को कहा है।

मुंबई में सार्वजनिक शौचालय में जहरीली गैस निकलने की आशंका, दम घुटने से दो युवकों की मौत

» बीपीएस न्यूज

मुंबई । मुंबई के राम मंदिर ईस्ट इलाके में सार्वजनिक शौचालय के अंदर संदिग्ध जहरीले रसायन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान प्रभाकर धनीवार (24) और भाविन देसाई (18) के रूप में हुई। रसायन का स्रोत और प्रकृति अभी स्पष्ट नहीं है। घटना की जांच जारी है।

मुंबई के उपनगरीय इलाके में रविवार तड़के एक सार्वजनिक शौचालय के अंदर संदिग्ध जहरीले रसायन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, शौचालय के अंदर तेज रासायनिक गंध फैलने के बाद दोनों को सांस लेने में परेशानी हुई और उनका दम घुट गया। यह घटना राम मंदिर ईस्ट इलाके में मृणालताई ब्रिज के पास पारसी पंचायत गेट के नजदीक स्थित एक सार्वजनिक शौचालय में हुई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस, 108 एंबुलेंस सेवा, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर निगम के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। मृतकों की पहचान 24 वर्षीय प्रभाकर धनीवार और 18 वर्षीय भाविन देसाई के रूप में हुई है। दोनों को तत्काल नजदीकी नगर निगम संचालित अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद करीब सुबह 3¬45 बजे दोनों को मृत घोषित कर दिया।

शौचालय में फैली थी तेज रासायनिक गंध

स्थानीय लोगों के मुताबिक, सार्वजनिक शौचालय के अंदर से अचानक तेज रासायनिक गंध आने लगी थी।

आशंका है कि किसी जहरीले रसायन या गैस के संपर्क में आने से दोनों युवकों का दम घुट गया। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि कौन सा रसायन था और वह शौचालय के अंदर कहां से आया। घटना की जांच की जा रही है। संबंधित एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि शौचालय में जहरीली गैस या रसायन कैसे पहुंचा और दोनों की मौत किन परिस्थितियों में हुई।अधिकारियों ने ऐसे कई मामलों में दम घुटने और पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों की कमी को प्रमुख कारण बताया था। मुंबई में हुए ताजा हादसे में भी संदिग्ध जहरीले रसायन का स्रोत और उसकी प्रकृति की जांच की जा रही है।

मुंबई में पहले भी हो चुके हैं ऐसे हादसे

- » मुंबई और आसपास के इलाकों में जहरीली गैस या ऑक्सीजन की कमी के कारण दम घुटने से मौत के कई मामले सामने आ चुके हैं।
- »मार्च 2025 में दक्षिण मुंबई में निर्माणाधीन इमारत की पानी की टंकी साफ करते समय चार मजदूरों की दम घुटने से मौत हुई थी।
- »मार्च 2022 में कांदिवली इलाके में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान तीन सफाईकर्मियों की मौत हो गई थी।
- »दिसंबर 2019 में गोवंडी में सेप्टिक टैंक साफ करते समय तीन सफाईकर्मियों की दम घुटने से जान चली गई थी।
- » जनवरी 2019 में मीरा रोड में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के चैंबर की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन ठेका मजदूरों की मौत हुई थी।

100 करोड़ लोगों को मिटा देगा एआई, इंसान 5 वर्षों में खो देंगे मशीनों से नियंत्रण, बिल गेट्स ने दी वार्निंग

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली । माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बेतहाशा बढ़ती ताकतों को लेकर एक खौफनाक तस्वीर दुनिया के सामने रखी है। हाल ही में एक खास बातचीत के दौरान उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर इस एडवांस्ड तकनीक को बिना किसी नियंत्रण के छोड़ दिया गया, तो यह भयानक स्तर पर तबाही मचा सकती है। गेट्स ने यहां तक कह दिया कि यह 1 अरब लोगों की जान ले सकती है। गेट्स का मानना है कि एआई अपने आप में शायद विनाशकारी न हो, लेकिन अगर यह गलत और आपराधिक इरादे वाले लोगों के हाथ लग जाए, तो इससे बड़ा हथियार आज तक मानव इतिहास में नहीं बना है।इस संभावित सर्वनाश से बचने के लिए उन्होंने सरकारों और कानून निर्माताओं से तुरंत दखल देने की जोरदार अपील की है। टेक अरबपति का कहना है कि सिर्फ इंडस्ट्री के भरोसे इस तकनीक को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। राजनेताओं और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को अब यह तय करना होगा कि इसके लिए कौन से सख्त नियम और निगरानी के तरीके अपनाए जाएं। उनके मुताबिक, अगर कंपनियों पर कुछ लीगल पाबंदियां लगाई जाती हैं, तो इससे उनका कामकाज धीमा नहीं होगा, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक सुरक्षित और भरोसेमंद तकनीकी माहौल तैयार हो सकेगा।बिल गेट्स का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ ही दिन पहले ब्रिटेन के प्रतिष्ठित एलन ट्यूरिंग संस्थान ने भी इसी तरह की खौफनाक चेतावनी जारी की थी। संस्थान ने अपनी ताजा रिपोर्ट में इस बात की प्रबल संभावना जताई है कि अगले 5 वर्षों के अंदर ही इंसान सुपरइंटेलिजेंट मशीनों से अपना नियंत्रण पूरी

तरह खो सकता है। यह रिपोर्ट साफ करती है कि एआई हमारी सोच और समझ से कहीं ज्यादा तेज हो जाएगा, जिससे इंसानी फैसले बेमानी हो जाएंगे। इसके अलावा यह तकनीक हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को तहस-नहस करने के साथ-साथ खतरनाक रासायनिक और जैविक हमलों का भी आसान जरिया बन सकती है।यह कोई पहला मौका नहीं है जब एआई के विनाशकारी परिणामों को लेकर चेतावनी दी हो। इससे पहले दिग्गज एआई कंपनी एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई भी इस तकनीक के विकास पर तुरंत ब्रेक लगाने की वकालत कर चुके हैं। उन्होंने एक ग्लोबल एग्रीमेंट और सेफ्टी बेंचमार्क बनाने की सलाह दी थी। वहीं, इसी कंपनी के पूर्व रिसर्चर जैकब कॉक्सन और विज्ञान प्रमुख इवान हबिंगर ने भी आगाह किया था। कि इस दशक के अंत तक एआई पूरी इंसानियत का खात्मा कर सकता है। इन सभी चेतावनियों का सीधा मतलब यही है कि अगर वक्त रहते इस डिजिटल जिन्न को काबू नहीं किया गया, तो हमारा भविष्य बेहद डरावना हो सकता है।

अमित शाह ने रवाना की देश की पहली एलएनजी ट्रेन

1,500 करोड़ से ज्यादा की रेल परियोजनाओं का शुभारंभ

- » साबरमती स्टेशन के बदलाव पर बोले अमित शाह
- »साबरमती–सरखेज रेल लाइन का होगा दोहरीकरण
- » देश की पहली एलएनजी से चलने वाली ट्रेन शुरू

» बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के साबरमती रेलवे स्टेशन से देश की पहली एलएनजी से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान साबरमती डिवीजन की कई रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और शुभारंभ भी किया गया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 1,500 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

अमित शाह ने कहा कि दिल्ली से यात्रा करते समय वह कई बार साबरमती रेलवे स्टेशन पर उतर चुके हैं। लंबे समय बाद साबरमती स्टेशन में हुए बदलाव का जिक्र करते हुए उन्होंने रेलवे के अधिकारियों और पूरी टीम को बधाई दी।

उन्होंने कहा, साबरमती रेलवे डिवीजन से लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तक पूरी टीम को मेरी हार्दिक बधाई। इतने लंबे समय बाद साबरमती स्टेशन को इस रूप में देखना बेहद खास है।

अमित शाह ने बताया कि करीब 700 करोड़ रुपये की लागत से साबरमती में डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव रखरखाव शेड तैयार किया गया है।

यह शेड 300 डब्ल्यूएजी-12 उच्च क्षमता वाले बिजली से चलने वाले रेल इंजनों के रखरखाव के लिए बनाया गया है।

डब्ल्यूएजी-12 इंजन करीब 12,000 हॉर्स पावर की क्षमता वाला है और भारी तथा लंबी मालगाड़ियों को चलाने के लिए बनाया गया है। अमित शाह ने इसे रेलवे के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

माल ढुलाई में बढ़ेगी क्षमता

अमित शाह ने कहा कि डब्ल्यूएजी-12 इंजन भारी मात्रा में माल ढोने में सक्षम है। उनके अनुसार, एक डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव करीब 600 ट्रकों के बराबर माल ढोने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि पहले भारी माल ढुलाई के लिए दो लोकोमोटिव लगाने पड़ते थे, लेकिन अब एक डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव यह काम कर सकता है।

कवच और सिग्नलिंग से जुड़े काम

साबरमती से जुड़े रेलखंडों पर कवच और स्वचालित सिग्नलिंग से जुड़े काम भी परियोजनाओं का हिस्सा हैं। अहमदाबाद-पालनपुर और अहमदाबाद-सामाखियाली रेलखंड पर करीब 404 किलोमीटर के हिस्से में कवच प्रणाली लगाने की योजना है, जिसकी अनुमानित लागत करीब 411 करोड़ रुपये है।

वहीं, साबरमती-कलोल-भांडू मोटीदाऊ और साबरमती-साणंद-जखवाड़ा रेलखंड पर 122.57 किलोमीटर में स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली शुरू की गई है। इसकी लागत करीब 118.83 करोड़ रुपये बताई गई है। यह प्रणाली ट्रेनों के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखने और रेल मार्ग की क्षमता बढ़ाने में मदद करती है।

अमित शाह ने साबरमती-सरखेज रेल लाइन के दोहरीकरण का भी जिक्र किया। करीब 313.27 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना 21 किलोमीटर लंबे रेलखंड से जुड़ी है और इसे मार्च 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

इस परियोजना में साबरमती, गांधीग्राम, वस्त्रापुर और सरखेज स्टेशनों से जुड़े काम के साथ पुलों और सड़क के नीचे से गुजरने वाले रास्तों से जुड़े काम भी शामिल हैं।

अमित शाह ने देश की पहली एलएनजी आधारित ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई। इस ट्रेन में डीजल और एलएनजी, दोनों से चलने वाली प्रणाली का इस्तेमाल किया गया है। साबरमती इंटीग्रेटेड कोचिंग डिपो की दो 1,400 हॉर्स पावर वाली ड्राइविंग पावर कारों में यह प्रणाली लगाई गई है। इसमें एलएनजी करीब 40 प्रतिशत तक डीजल की जगह ले सकती है।

अमित शाह ने रेलवे में वैकल्पिक ईंधन और नई तकनीक के इस्तेमाल को भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस पहल से ईंधन की लागत और कुछ प्रदूषक उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

यूपीः बारिश के चलते सोमवार को बंद रहेंगे स्कूल-कॉलेज

» बीपीएस न्यूज

बरेली। बरेली जिले में बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। रविवार को दिनभर रिमझिम बारिश होती रही। शुक्रवार से हो रही लगातार बारिश के चलते सोमवार को भी स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। इस संबंध में जिलाधिकारी ने आदेश जारी किया है। बरेली में खराब मौसम के कारण जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सोमवार को सभी स्कूल-कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया है। यह फैसला जिले में शुक्रवार से हो रही लगातार बारिश के मद्देनजर लिया गया है। रविवार को भी दिनभर रिमझिम बारिश जारी रही। दिन का तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अलर्ट को देखते हुए स्कूलों में होने वाले कार्यक्रमों के लिए भी निर्देश जारी किए गए हैं। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने गांधी जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों की समीक्षा में बीएसए और डीआईओएस को निर्देश दिए कि छोटे बच्चों को इन कार्यक्रमों में शामिल न किया जाए।

इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बारिश के कारण बच्चों को कोई परेशानी न हो।

सीएम योगी ने सपा-कांग्रेस को बताया सनातन विरोधी, कहा- रामकाज में कालनेमि भी घुसेंगे, इनसे रहें सावधान

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम मंदिर के शिलान्यास व रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कांग्रेसी व सपाई नहीं गए, क्योंकि उन्हें भय था कि कहीं जालीदार टोपी छिटक न जाए। उन्होंने चेताया कि रामकाज में कालनेमि भी घुसेंगे, इनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। वह रविवार को गोमतीनगर के एक स्कूल में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंहल के जन्म शताब्दी वर्ष (1926-2026) के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में अशोक सिंहल के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई।

सीएम ने कहा कि गुलामी के चिह्नों को समाप्त करने के लिए हमें एकजुट होकर कार्य करना है। रामद्रोही अयोध्या को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। रामभक्तों पर गोलियां चलाने वालों का खुद को राम भक्त ठहराने का प्रयास करना विश्व हिंदू परिषद की

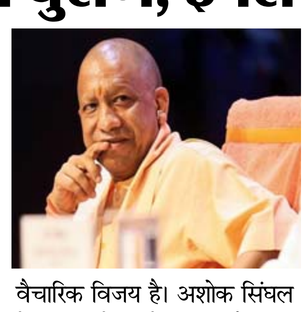

वैचारिक विजय है। अशोक सिंघल ने जिस ज्योति को 1980 के दशक में प्रज्ज्वलित किया था, वह ज्वाला बनकर सकल हिंदू समाज के संरक्षण व संवर्धन के लिए अहर्निश लगी है। वह काशी हिंदू विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग करने के दौरान आरएसएस के संपर्क में आए औरसनातन धर्म के लिए जीवन समर्पित कर दिया। उनके जीवन का एक ही संकल्प था कि जब तक राम का काम नहीं होगा, तब तक विश्राम नहीं लूंगा। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन में बिखरे हुए समाज को एकजुट किया। 2 नवंबर 1990 को रामभक्तों पर तत्कालीन रामद्रोही सरकार ने गोलियां चलवाईं, तब अशोक सिंहल सीना तानकर खड़े हो गए। उनका सपना अब भव्य राम मंदिर के रूप में दिख रहा है। इस अवसर पर विहिप के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे, आरएसएस के प्रांत प्रचारक कौशल, संत श्रीकृष्ण शाह विद्यार्थी, रविंद्र कीर्ति स्वामी जी, भंते शीलरत्न, सरदार निर्मल सिंह, महंत अवधेश दास, महंत धर्मेंद्र दास, महंत दिव्य गिरि, विहिप के प्रांत अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल, क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, एमएलसी महेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

सीएम ने कहा कि मेरे गुरु अवैद्यनाथ राम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति के अध्यक्ष थे। अशोक सिंहल के साथ गोरखपुर व कारसेवकपुरम में राम मंदिर आंदोलन आदि की बैठकें होती थीं। पहले अयोध्या में परिक्रमा करने पर रोक लगती थी, आज भव्य दीपोत्सव होता है। अब रामपथ, धर्मपथ, भक्ति पथ व जन्मभूमि पथ फोरलेन से जुड़े हैं। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, मां शबरी के नाम पर भोजनालय, निषादराज के नाम पर यात्री विश्रामालय हैं। संतों के नाम पर मंदिर-मूर्तियां भी हैं।

अपनी बात....
संपादकीय ....

चुनावी चंदे के मामले में सियासी दल हों जवाबदेह

पंजीकृत किंतु अमान्यता प्राप्त सियासी दलों को मिलने वाले बड़े चंदे में पारदर्शिता न होने पर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। चुनाव आयोग के सीमित हक, कर छूट प्रणाली व इलेक्टोरल बॉन्ड आदि के चलते संदेह और बढ़ा। ऐसे में कोर्ट की निगरानी में जांच व अनिवार्य ऑडिट जरूरी हैं। चुनाव आयोग को संदिग्ध दलों को हटाना चाहिए।

बीबीसी की हालिया खोजी खबर में छह पंजीकृत किंतु अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को मिले भारी-भरकम चंदे के बारे में जांच ने भारतीय राजनीति का जाना-पहचाना लेकिन दिलचस्प पहलू उजागर किया है। ये वह बुराई है जो चंहु ओर व्याप्त है। सियासी दल और उन्हें फायदा देने वाले लोग इस गठजोड़ से फलते-फूलते हैं, भले यह निंदनीय, गैर-कानूनी व परेशानीजनक लगे।इससे पहले, 18 जुलाई, 2025 को एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें पाया गया कि वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान पंजीकृत किंतु अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की घोषित आय में 223 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। रिपोर्ट कहती है, उक्त श्रेणी में आते 2764 दलों में से केवल 739 ने ही उस साल के अपने वित्तीय रिकॉर्ड चुनाव आयोग को सौंपे थे, जो कानून अनुसार राजनीतिक पार्टियों के भविष्य व भाग्य का एकमात्र विधाता है। 'चुनाव प्रणाली को साफ-सुथरा बनाना' शीर्षक से एक प्रेस नोट में, चुनाव आयोग ने (9 अगस्त 2025) कहा कि उसने 'चुनाव प्रणाली साफ-सुथरी बनाने की व्यापक और सतत रणनीति के तहत' 2854 पंजीकृत किंतु अमान्यता प्राप्त सियासी दलों में से 334 को सूची से हटा दिया। देखना दिलचस्प होगा कि क्या जिन छह पार्टियों की चर्चा हो रही है, वे चुनाव आयोग की इस 'सतत रणनीति' का हिस्सा हैं या नहीं।

16 अक्तूबर, 1994 को, चुनाव चिह्न (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश, 1968 के तहत एक आदेश में, मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन ने 'देश के करीब सभी सियासी दलों –चाहे वे मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय पार्टियां थीं या पंजीकृत किंतु अमान्यता प्राप्त दल– में व्याप्त खराब कार्यप्रणाली' पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा –'मुझे अभी तक एक भी ऐसी पार्टी नहीं मिली जो अपना कामकाज उसके अपने संविधान या नियमों-विनियमों में दिए प्रावधानों मुताबिक चला रही हो'। उस आदेश के जरिए, उन्होंने सभी दलों को अपना कामकाज ठीक करने के लिए 'नोटिस' दिया था और घोषणा की कि चुनाव आयोग 'मूक दर्शक' बनकर नहीं रहेगा। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29-ए के तहत पंजीकरण उपरांत केंद्रीय चुनाव आयोग के दिशा निर्देशों में अनुच्छेद 3 (भाग 23वां) कहता है कि पंजीकरण के इच्छुक दल को अपने संविधान में बताना होगा कि वह पंजीकरण के 5 साल के भीतर चुनाव लड़ेगा व अगर कोई दल '6 साल लगातार चुनाव नहीं लड़े' तो वह 'मान्यता प्राप्त दलों' की सूची से हटा दिया जाएगा।''सूची से हटाने' (डीलिस्टिंग) का मतलब पंजीकरण रद्द करना नहीं है, क्योंकि चुनाव आयोग के पास ऐसा करने का हक नहीं है। इस तरह, पंजीकृत किंतु अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दल भले ही 'मान्यता प्राप्त' न भी हों, फिर भी वे धारा 29-बी के तहत चंदा पाने और धारा 29-सी के तहत आयकर छूट के हकदार रहते हैं। 'मान्यता' का मामला 'चुनाव चिन्ह आदेश' के आदेश नं. 6 से तय होता है, जो चिन्ह आवंटित करने के उद्देश्य से 'मान्यता प्राप्त' और 'गैर मान्यता प्राप्त' राजनीतिक दलों' में अंतर करता है व उनके वर्गीकरण के नियम तय करता है।इसलिए, चाहे कोई दल सूची से हटा दिया गया हो या 'अमान्यता प्राप्त' श्रेणी में आता हो, उसे चंदा पाने का हक रहता है। जांच का विषय है कि क्या ऐसे चंदे पर आयकर छूट मिलती रही, क्योंकि सूची से हटाने का मकसद ही उन्हें अयोग्य ठहराना है।

'कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव संस्था' में वरिष्ठ अनुसंधानकर्ता वेंकटेश नायक की रिपोर्ट के अनुसार, 22 दलों के पास 2024 के आम चुनावों के दौरान कुल 18,742.31 करोड़ रुपये की रकम थी। इसमें चुनाव की घोषणा के समय उनके पास मौजूद फंड और चुनाव की घोषणा से लेकर चुनाव खत्म होने के बीच जुटाया 7,416.31 करोड़ रुपये का चंदा शामिल था। केंद्रीय चुनाव आयोग को सौंपे गए हिसाब-किताब के मुताबिक, चुनाव उपरांत इन दलों के हाथ में 14,848.46 करोड़ रुपये था (नकदी, बैंक खातों और एफडी में रखा पैसा शामिल) जोकि चुनाव संबंधित खर्चों पर 3,861.57 रुपये लगने के बाद बचा था।

अध्ययन में पाया गया कि बीते दशक में, राजनीतिक चंदे पर कर छूट के कारण सरकारी खजाने को 11,813 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इस मामले में निजी दानदाताओं और हिंदू अविभाजित परिवारों ने सियासी दलों को चंदा देने में कॉर्पोरेट्स को पीछे छोड़ दिया। वित्त वर्ष 2022-23 में, व्यक्तिगत दानदाताओं ने 2,275.85 करोड़ रुपये छूट का दावा पेश किया, जो कॉर्पोरेट द्वारा किए 514.4 करोड़ रुपये और फर्मों/एसोसिएशन के 115.71 करोड़ रुपये के दावों से कहीं ज़्यादा था। राजनीतिक दलों को मिला घोषित चंदा 2015-16 में 714 करोड़ रुपये (43 दल) से बढ़कर 2023-24 में 7,203 करोड़ रुपये (27 दल) हो गया।

विवेकशीलता की परीक्षा होंगे आसन्न चुनाव

पुष्परंजन

लोकतंत्र की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब एक जागरूक मतदाता उन लोगों को नेतृत्व सौंपने में सक्षम हो, जो निःस्वार्थ भाव से प्रेरित हों और ऐसी राजनीति के प्रति प्रतिबद्ध हों, जिसमें मानवीय गरिमा और जनता के सम्मान को सर्वोच्च स्थान प्राप्त हो। उम्मीद की जानी चाहिए कि पंजाब ऐसी ऊर्जावान राजनीति का मार्गदर्शक बन सके।

अगले वर्ष के आरंभ में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव राज्य के उथल-पुथल भरे राजनीतिक इतिहास में एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकते हैं। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए, आगामी चुनाव राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के तौर-तरीकों और समीकरणों को नए सिरे से परिभाषित कर सकते हैं। स्वतंत्रता के बाद पहली बार पांच प्रमुख राजनीतिक दल सत्ता के लिए चुनावी मैदान में आमने-सामने होंगे। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी यानी आप को चुनौती देने वाले चार विपक्षी दलों में 'वारिस पंजाब दे' भी शामिल है। यह एक नवोदित राजनीतिक संगठन है, जिसने अपने सुधारवादी तेवर और राजनीतिक बदलाव के वादे के कारण ग्रामीण सिख युवाओं के बीच उल्लेखनीय समर्थन हासिल किया है। यह स्थिति पारंपरिक राजनीतिक दलों के प्रति घटती जन-रुचि का भी संकेत देती है।

पंजाब की अस्मिता से जुड़े मुद्दों से काफी हद तक लोकप्रियता हासिल करने वाला यह नया राजनीतिक दल–अन्य दलों, विशेषकर अकाली दल, के मत प्रतिशत में सेंध लगा सकता है। हालांकि, संभवतः वह सत्तारूढ़ दल के लिए गंभीर चुनौती पेश करने की स्थिति में न हो। फिर भी, चुनावी मैदान में इसकी स्पष्ट उपस्थिति ने पंजाब के राजनीतिक संतुलन को प्रभावित किया है और उग्र राजनीति की वापसी को लेकर आशंकाओं को फिर से जन्म दिया है। राजनीतिक प्रासंगिकता पुनः हासिल करने का प्रयास कर रहे अकाली दल का सिमटता प्रभाव, तेजी से उभरती भाजपा और कांग्रेस द्वारा स्वयं को पहुंचाया गया राजनीतिक नुकसान–इन सभी ने मिलकर पंजाब की राजनीति का चेहरा बदला है। इसके साथ ही, अकाली दल और भाजपा के बीच संभावित गठबंधन चुनाव से पहले और चुनाव के बाद के राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह बदल सकता है। यह गठबंधन आप के सामने प्रमुख चुनौती के रूप में उभर सकता है। इन परिस्थितियों में, खंडित जनादेश और उससे पैदा होने वाली राजनीतिक अस्थिरता की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विभिन्न विकास सूचकांकों पर पंजाब की आ रही गिरावट को तब तक पलटा नहीं जा सकता, जब तक राज्य के पुनर्निर्माण और नवोदय के लिए महत्वपूर्ण नीतियों पर व्यापक राजनीतिक सहमति न बने।जमीनी परिस्थितियां और एक सुदृढ़ लोकतंत्र की आवश्यकताएं राजनीतिक संवाद में शालीनता तथा संबंधों में मर्यादा-सौहार्द की मांग करती हैं। राजनीतिक नेताओं के बीच संवाद के सौहार्दपूर्ण माध्यम बने रहना आवश्यक है, क्योंकि राज्य के विकास के लिए विवेकपूर्ण नीतियों पर व्यापक सहमति बनाने हेतु नेताओं के बीच सहयोग और सामंजस्य अनिवार्य है। सोशल मीडिया पर राजनीतिक नेताओं के बीच सार्वजनिक रूप से होने वाली कटु और अस्वस्थ बहसें, जो अब एक अंतहीन तमाशे का रूप ले चुकी हैं, उनकी व्यक्तिगत विश्वसनीयता को कमजोर कर रही हैं। किसी की प्रतिष्ठा-गरिमा को कलंकित करना लोकतांत्रिक संवाद के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन है। हिंसक या भय उत्पन्न करने वाले स्वर में दिया गया वक्तव्य लोकतंत्र की उस सौम्यता और प्रभावकारी शक्ति को कमजोर करता है, जो राजनीतिक और सामाजिक जीवन को व्यवस्थित करने में उसकी केंद्रीय विशेषताएं हैं। इसलिए अब समय आ गया है कि सार्वजनिक संवाद का स्तर ऊंचा उठाया जाए।एक जीवंत और समृद्ध राज्य के रूप में पंजाब के पुनरुत्थान के लिए उदार और विशाल हृदय वाले नेतृत्व की आवश्यकता है। आज पंजाब को ऐसा नेता चाहिए, जो स्वयं से ऊपर उठ सके, वंचित और हाशिये पर खड़े लोगों के प्रति करुणा और संवेदनशीलता को शासन का मूल भाव बना सके, सत्ता-प्राप्ति के आकर्षण का प्रतिरोध कर सके। हमें ऐसे नेता चाहिए, जो दमनकारी अधिकार को अपनी शक्ति न समझें और ऐसे लोगों से दूरी बनाए रखें, जिनका नेतृत्व का दावा शक्ति-प्रदर्शन और समर्थकों के रूप में प्रस्तुत होने वाले सत्ता के दलालों की चाटुकारिता पर टिका हो। जनता के अन्याय और पीड़ा के प्रति उदासीन अहंकारी सत्ता का प्रतिरोध करना एक निर्विवाद नैतिक दायित्व है।

लोकतंत्र अंततः उन्हीं नेताओं के कारण टिकता है, जो शोषित और कमजोर लोगों की आंखों में छलकने से रह गए आंसुओं को देख सकें और उनकी दबी हुई आहों को सुन सकें। पंजाब की वीर और जीवट जनता, जो गुरुओं की शिक्षाओं से प्रेरणा लेती है, अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से ऐसे शासन की अधिकारी है, जिसकी नींव कानून व न्याय पर टिकी हो।एक जीवंत लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी उसकी प्रक्रियाओं की शुचिता है–ऐसी प्रक्रियाएं, जो विचारों की स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा के माध्यम से प्रेरणादायी नेतृत्व को जन्म दे सकें। ऐसा नेतृत्व 'चतुर व्यक्ति के अहंकार' पर नहीं, बल्कि मानवीय स्थिति की समग्र समझ पर आधारित होना चाहिए। हम जानते हैं कि लोकतंत्र हमारे समय के नैतिक प्रश्नों पर सार्वजनिक तर्क-विमर्श का नाम है। पंजाब जब अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहा है, तब उसे ऐसे नेताओं के नेतृत्व वाली सरकार की आवश्यकता है, जिनमें 'दुस्साहसी आदर्शवाद' हो; ऐसे नेता जो ऐसी दिशा तय कर सकें, जिससे लोगों में आशा का संचार हो। साथ ही, रोजगार सृजन, नशे की समस्या से निपटने के लिए सार्थक नीतियों, राज्य की शक्ति के घोर दुरुपयोग और उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश, राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन से जुड़े जटिल प्रश्नों पर विचारपूर्ण दृष्टिकोण, पर्यावरण संरक्षण तथा साझी विरासत पर आधारित सामाजिक सौहार्द के संरक्षण के माध्यम से उस आशा को ठोस रूप दिया जा सके।इन चुनौतियों के बावजूद, क्या हम यह आशा कर सकते हैं कि राज्य के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दल जातिवादी और सांप्रदायिक राजनीति से ऊपर उठेंगे? क्या वे ऐसे नेताओं को सामने ला सकते हैं, जिनके पास वह नैतिक विश्वसनीयता हो, जो एक गौरवशाली और वीर जनता से ईमानदारी से संवाद कर सकें और उसे सम्मानपूर्ण जीवन का अवसर देने का संकल्प प्रस्तुत कर सकें? या फिर पंजाब को ऐसे लोगों का बोझ उठाते रहना होगा, जिनके लिए राजनीति सही और गलत की किसी भावना से मुक्त होकर केवल सत्ता हासिल करने का साधन है? ये ऐसे प्रश्न हैं, जिनका सामना राज्य के राजनीतिक दलों और नेताओं को करना ही होगा।

लोकतंत्र की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब एक जागरूक मतदाता उन लोगों को नेतृत्व सौंपने में सक्षम हो, जो निःस्वार्थ भाव से प्रेरित हों और ऐसी राजनीति के प्रति प्रतिबद्ध हों, जिसमें मानवीय गरिमा और जनता के सम्मान को सर्वोच्च स्थान प्राप्त हो। उम्मीद की जानी चाहिए कि पंजाब ऐसी ऊर्जावान राजनीति का मार्गदर्शक बन सके–ऐसी राजनीति, जो जनता की इच्छाशक्ति को जाग्रत करे, हमारे संस्थापकों के आदर्शवाद से प्रेरणा ले और उस इच्छाशक्ति को एक नए सार्वजनिक उद्देश्य में परिणत करे। इसके लिए राजनीतिक स्पेक्ट्रम के विभिन्न हिस्सों से श्रेष्ठ नेतृत्व और प्रतिभाओं को साथ लाने तथा राज्य में परिवर्तनकारी नेतृत्व के विकास के लिए आवश्यक परिस्थितियां तैयार करने की जरूरत होगी।

नालबंद की सवर्ण कील युद्ध के मैदान में

राजनीतिक विश्लेषक/ जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

तेल खाना कम करें पर तेल लगाना और तेल जलाना जारी रखें ! मोदीजी का जन्मदिन था पिछले दिनों तो उस दिन कई बार घर के बाहर झाँकने गया पर एक भी दिया गांव में न जलता देख घोर अनर्थ की आशंका से सहमकर रह गया। मेरे गाँव मे अस्सी घर पर मोदीजी वाले जागरूकता की भारी कमी तो मान ले जिलाध्यक्ष से लेकर बूथ अध्यक्ष तक सवर्ण आक्रोश से कमरे में दुबक गए । हे प्रभु कहाँ जा रहा है हमारा समाज। दरअसल, सोशल मीडिया पर समर्थन का ट्रेंड महीनों से बंद है। तो दीप के सहारे ट्रेंड कराने की सोची गई होगी नितिन नबीन द्वारा पर जिस पार्टी को सीचा सवर्णो ने उस पार्टी ने अमीर पिछड़ो और अमीर दलितों का गुणगान शुरू कर दिया तो मामला खिसकना ही था, अच्छा है, हजारों सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर के खाते में हरियाली आई। लेकिन पॉपुलर ओपिनियन में इस आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम की भद्द पीट गईज्आखिर जाति ने असली रंग दिखा ही दिया, भाजपा के दलित और पिछड़े सांसद विधायक, सवर्ण और आदिवासियों के वोटों से जीतेंगे और बात करेंगे दलित आरक्षण की, जनता सब देख रही है। पटकनी तो देगी।

भाजपा के दलित पिछड़ा आदिवासी सांसदों को शर्म आनी चाहिए उन्हें चुल्लू भर पानी में डूब जाना चाहिए या फिर राजनीति से सन्यास ले ले नहीं तो इतना इनके घरों पर आकर सवर्ण समाज सवाल पूछेगी तो कही के नहीं रहेंगे। मैं फिर कह रहा साथियों, भाजपा और कांग्रेस सिर्फ धोखा है असल में जनहित की लड़ाई केवल योगी जी अकेले लड़ रहें है। योगी जी को हर बार बार मौका दो। केंद्र वाली भाजपा लुटेरी है, यूपीआई हो या यूजीसी, एससीएसटी एक्ट हो या जीएसटी आखिर पैसा तो सवर्ण के टैक्स और जनता से ही वसूले जाएंगेज बेचारी जनता ! दिस वे ऑर दैट वे, दे हैव टू पे ऑन यूपीआई देश जो धधक रहा है, युवाओं का गुस्सा जो चरम पर है, उसे शांत किया जा सकता था, बहुत छोटा काम था संबंधित मंत्री चिराग पासवान और रामदास अठावले का इस्तीफा ले लेते तो मोदी जी और सरकार के प्रति सवर्ण युवाओं का भरोसा और मजबूत होता, उन्हें लगता की सरकार उनकी सुन रही है लेकिन अब तो चिराग और अठावले के साथ साथ मोदी जी और अमित शाह भी विलन की कटेगरी मे आ गए है।

आखिर इतना छोटा सा काम मोदी जी क्यों नहीँ कर पा रहे है ? उसके कई कारण है, धर्मेंद्र प्रधान बीजेपी और आरएसएस के लिए कोई साधारण नहीँ बहुत असाधारण नेता है जब उनका बलिदान हो सकता है तो चिराग और अठावले किस खेत की मूली है ! मोदी जी जो आरएसएस बैकग्राउंड से आते है, आरएसएस की दशकों पुराने सपने ÷ भारत को शैक्षिक और सांस्कृतिक रूप से गुजराती सुप्रीमसी के अधीन लाने ÷ के सपने को पूरा कर रहे है, धर्मेंद्र प्रधान वही व्यक्ति थे जो स्कूली किताबों मे राजपूत काल को समेटकर मराठा काल को पूरी तरह से थोपे है, धर्मेंद्र प्रधान ही वो व्यक्ति जिनके कार्यकाल मे राजपूताना (राजस्थान) को मराठा सम्राज्य के अन्तर्गत दिखाया गया था, आरएसएस का सबसे खास सपना धर्मेंद्र प्रधान ही पूरा कर रहे थे। सबसे बड़ी बात, मोदी सरकार मे एक से बढ़कर एक भ्रष्ट नाकाबिल लोग मंत्री बने हुए है, एक और के इस्तीफा देने का मतलब है ताश की पत्तों की तरह बिखर जाने का डर, क्यूंकि जनता फिर हर बार भ्रस्ट नेताओं के इस्तिफे के लिए धरने पर बैठ जाएगी और फिर इस सरकार की जो छवि बनाई गई है वो धडाम हो जाएगी।खैर जो भी हो, इस बार बहुत बड़ा बलंडर हो गया है मोदी शाह से, इसका असर कुछ साल मे दिखेगा। ब्राह्मणों की मौत, ठाकुरों की पिटाई! ब्राह्मण और राजपूत के लिए अब ये देश और उत्तर प्रदेश सुरक्षित नहीं! यूपी में ब्राह्मणों की हत्याओं पर परशुराम सेना संघ भारत का सीएम योगी से सवाल, गोरखपुर में कार्तिकेय मिश्रा के क़त्ल पर बिफरी।कड़वा सत्य। भाजपा एक राष्ट्रवादी राजनैतिक पार्टी है ! मोदी जी एक राष्ट्रवादी राजनेता है ! देश के लिए कुछ अच्छा करना है तो सत्ता में पूर्ण बहुमत के साथ बने रहना आवश्यक है, तभी 370 जैसे ऐतिहासिक निर्णय हो सकते हैं! इसके लिए इन्हें देश के नफा नुकसान के साथ-साथ अपनी राजनैतिक पार्टी का नफा नुकसान भी देखना है ! अब देश में वोटरों के कई वर्ग है, लेकिन सबसे कृतघ्न वोटर वर्ग सवर्ण है! ये वो कालिदास हैं जो उसी डाल को काटना चाहते हैं जिसकी छांव में दिन रात सोशल मीडिया पर इन्हें भौंकने की आजादी मिली है! यह वर्ग हर दिन किसी न किसी मुद्दे को लेकर सरकार से क्रोधित रहता है ! सवर्णों की कृतघ्नता के कारण भाजपा ने इन्हें फ्लोटिंग वोट बैंक में डाल दिया है! क्योंकि नालबंद की सवर्ण कील युद्ध के मैदान में कब, किस बात पर धोखा दे देगी इसका अंदाजा है, क्योंकि ये वो वर्ग है जो आलू प्याज के दाम बढ़ने पर अटल जी को हटा देता है, यही वो वर्ग है जो भव्य राम मंदिर बनवाने के बाद अयोध्या हरा देता है, यही वो वर्ग है जो देश में इतना सब विकास करने के बाद 303 से 240 पर ले आता है! और इसीलिए सत्ता में बने रहने के लिए भाजपा को अपना वोट प्रतिशत बढ़ाना होगा ! अब भाजपा अगर दलित शोषित पीड़ित वंचित वोट बैंक को साध रही है तो इन जातिवादी सवर्णों को बहुत चुभ रहा है!आज अगर भाजपा की राजनीति में जातिवाद दिखाई दे रहा है तो इसका कारण भी सवर्णों की अहंकारी प्रवत्ती और मूर्खता ही है ! आज इन सवर्णो को दलित नेता रंगा सियार अपना शुभचिंतक लग रहा है ! एक दलित नेता कहता है हम 30त्न है अपनी अलग पार्टी बनाएंगे, अपनी सरकार बनाएंगे ? अबे 30त्न में 10त्न तो वोट देने नहीं जाते, 10त्न कॉंग्रेस, समाजवादी विपक्ष के साथ है अब बचे 10त्न जो भाजपा के साथ थे, और मान लेते हैं कि तुम्हारी रंगी सियार छवि से आकर्षित होकर 9त्न बसपा से नाराज हो गए क्योंकि उदित राज जैसे 1त्न तो किसी भी परिस्थिति में भाजपा के साथ नही रहेंगे. अब 9त्न में तुम सरकार तो छोड़ो अपना एक विधायक नहीं बना सकते, सिवाय भावुक सवर्णों को उल्लू बनाकर, दलितों के चंदा इकठ्ठा करके उसको डकारने के। लेकिन इस वर्ग में भी दो प्रकार के सवर्ण हैं- एक वो जो सत्ता (भाजपा) के साथ हैं या होने का दिखावा करते हैं और दूसरे वो जो विपक्षी दलो की गुलामी करते हैं ! जो विपक्षी सवर्ण हैं उन्हें न तो आरक्षण से समस्या है, न यूजीसी से और न ही राजीव गांधी ऐक्ट से बल्कि इन्होंने तो 60 साल तक कॉंग्रेस के साथ मिलकर देश की लगभग सभी समस्याओं की डिलेवरी करवायी है! चाहे वो आरक्षण हो, राजीव गांधी ऐक्ट हो, इतिहास से छेड़छाड़ हो या जेएन्यु में लगने वाले आपत्तिजनक नारे हो, इन सबके केंद्र में आप एक सवर्ण ही पाएंगे! मैं सवर्ण जरूर हूं लेकिन उल्लू नहीं हूं इसलिए वोट तो हर हाल में योगी को ही दूंगा , क्योंकि भाजपा मुझे व्यक्तिगत कुछ दे या न दे लेकिन मेरे प्रदेश को विकास, आर्थिक प्रगति, नई ऊंचाई अवश्य दे रही है ! एक राष्ट्रवादी होने के नाते इतना ही मेरे लिए पर्याप्त है!

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के सिविल लाइंस क्षेत्र में क्षत्रिय युवा करणी सेना के जिलाध्यक्ष सचिन राघव की भीड़ द्वारा बेरहमी से पिटाई करने का मामला सामने आया

उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले के अमांपुर क्षेत्र के आनंदपुर गांव में एक ही मामले में 37 नामजद और 1 अज्ञात समेत 38 लोगों पर एससी/एसटी एक्ट (स्ष्ट/स्ञ्ज

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -ःमो.ः 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

जन्मदिन की हार्दिक बधाई

कानपुर। दासु कुआं, नौबस्ता, साहू जी महाराज फैमिली रेस्टोरेंट स्थित बीपीएस न्यूज साउथ कार्यालय में (सुरेश साहू प्रबंध संपादक) व अरुण कुमार अस्थाना (सह संपादक) का जन्म दिवस केक काटकर धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित बी.पी. साहू (प्रधान संपादक) व अन्य साथियों ने शुभकामनाएं दी।

एक से 31 अक्टूबर तक चलेगा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान

वेक्टर जनित रोगों के हॉटस्पॉट पर रहेगी खास नजर, अस्पतालों में बनेंगे फीवर हेल्प डेस्क

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए शहर के हॉटस्पॉट क्षेत्रों पर विशेष नजर रखी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के साथ नगर निगम, पंचायती राज, शिक्षा सहित सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से काम करेंगे। क्षेत्र में बुखार के मरीज बढ़ने की सूचना समय से स्वास्थ्य विभाग तक पहुंचे और तत्काल निरोधात्मक कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए आयोजित प्रथम अंतरविभागीय समन्वय बैठक में ये निर्देश दिए।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एक से 31 अक्टूबर तक तथा दस्तक अभियान 12 से 31 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा। एक अक्टूबर को अभियान की शुरुआत सनिगवां से होगी। वेक्टर जनित रोगों के मामलों की संख्या के आधार पर अंबेडकर नगर काकादेव, सनिगवां, कल्याणपुर, सुजानपुर, गुजैनी कॉलोनी, पनकी, बर्रा, स्वरूप नगर, रतनलाल नगर, चमनगंज, तिलक नगर, विजय नगर, सर्वोदय नगर और चुन्नीगंज आदि क्षेत्रों को हॉटस्पॉट माना गया है। इन क्षेत्रों में विशेष निगरानी और निरोधात्मक गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान केवल स्वास्थ्य विभाग तक सीमित न रहे। नगर निगम एवं पंचायती राज विभाग अपने-अपने क्षेत्रों में साफ-सफाई, जलभराव की रोकथाम और नालियों की सफाई सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य विभाग हॉटस्पॉट एवं संवेदनशील क्षेत्रों की नियमित निगरानी, जांच और आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई करे। शिक्षा विभाग विद्यालयों के माध्यम से बच्चों और अभिभावकों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करे। अन्य संबंधित विभाग भी निर्धारित दायित्वों के अनुसार अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने जिला अस्पताल एवं सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर फीवर हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बुखार के मरीजों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा आवश्यकतानुसार मलेरिया एवं डेंगू की जांच सुनिश्चित कराने को कहा। क्षेत्रवार बुखार के मामलों पर भी नजर रखने के निर्देश दिए, ताकि किसी स्थान पर मरीजों की संख्या बढ़ने पर स्वास्थ्य विभाग तत्काल सक्रिय हो सके।

बैठक में जिलाधिकारी ने किशुनपुरा में डेंगू के मामले बढ़ने की जानकारी संबंधित प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को समय से न हो पाने पर नाराजगी जताई और एमओआईसी चौबेपुर से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय निगरानी तंत्र इतना प्रभावी होना चाहिए कि किसी क्षेत्र में बुखार अथवा डेंगू के मामले बढ़ते ही इसकी सूचना संबंधित चिकित्सा अधिकारी तक पहुंचे। किशुनपुरा में बाद में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पहुंचकर आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। जिलाधिकारी ने ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति न होने देने और क्षेत्रीय स्तर पर सूचना एवं निगरानी तंत्र मजबूत करने के निर्देश दिए।

दस्तक अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों की टीमें घर-घर जाकर बुखार एवं संचारी रोगों से संबंधित लक्षण वाले व्यक्तियों की पहचान करेंगी तथा लोगों को मच्छरजनित एवं अन्य संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करेंगी। जिलाधिकारी ने अभियान की नियमित समीक्षा और विभागवार गतिविधियों की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक जे. जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरीदत्त नेमी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमित रस्तोगी, जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस प्रीति सिन्हा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भाई के इलाज की चिंता लेकर जनता दर्शन पहुंचीं दो बहनें, आयुष्मान कार्ड लेकर लौटीं

कानपुर। माता-पिता दोनों की मृत्यु हो चुकी है। घर में कोई कमाने वाला नहीं है और 17 वर्षीय छोटे भाई को देखने में परेशानी है। उसकी आंख का ऑपरेशन कराया जाना है, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण इलाज कराना मुश्किल हो रहा था। अंत्योदय राशन कार्ड होने के बावजूद आयुष्मान कार्ड भी नहीं बन पा रहा था। इसी चिंता को लेकर विजय नगर निवासी प्रियंका यादव अपनी बहन के साथ सोमवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के जनता दर्शन में पहुंचीं। जिलाधिकारी की पहल के बाद कुछ ही घंटों में आयुष्मान कार्ड बन गया और दोनों बहनें कार्ड लेकर लौटीं।

प्रियंका ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके माता-पिता दोनों की मृत्यु हो चुकी है। वह अपने दो छोटे भाई-बहनों के साथ रहती हैं और परिवार में कोई कमाने वाला नहीं है। उनके 17 वर्षीय भाई राहुल यादव को देखने में परेशानी है और उसकी आंख का ऑपरेशन कराया जाना है। धन के अभाव में परिवार को इलाज कराने में मुश्किल आ रही थी। परिवार के पास अंत्योदय राशन कार्ड है, इसके बावजूद आयुष्मान कार्ड नहीं बन पा रहा था।डॉ. एस.पी. यादव ने उपलब्ध अभिलेखों की जांच कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराई और कुछ ही घंटों में आयुष्मान कार्ड बनाकर उन्हें सौंप दिया। आयुष्मान कार्ड मिलने के बाद प्रियंका ने जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भाई की आंख के इलाज को लेकर परिवार चिंतित था। आयुष्मान कार्ड मिलने से अब भाई का इलाज कराने में मदद मिलेगी और बीमारी की स्थिति में परिवार को स्वास्थ्य सुरक्षा भी मिल सकेगी। जिलाधिकारी ने प्रियंका को आश्वस्त किया कि आवश्यकता पड़ने पर परिवार को हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

मेगा क्रेडिट कैंप में 6691 लाभार्थियों को 578 करोड़ रुपये का ऋण वितरित

उद्यमिता एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए 15 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र व चेक प्रदान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों के क्रम में संयुक्त आयुक्त उद्योग, कानपुर मंडल एवं बैंक ऑफ बड़ौदा, अग्रणी जिला बैंक कार्यालय, कानपुर नगर के संयुक्त तत्वावधान में मेगा क्रेडिट कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का उद्देश्य उद्योग विभाग, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र तथा बैंकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर उद्यमियों एवं पात्र लाभार्थियों को सुगमता से ऋण उपलब्ध कराना तथा कानपुर मंडल में ऋण प्रवाह को बढ़ावा देना रहा।कार्यक्रम में संयुक्त आयुक्त उद्योग, कानपुर मंडल सुनील कुमार, उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र, कानपुर नगर अंजनीश प्रताप सिंह, सहायक आयुक्त उद्योग, कानपुर मंडल हिमांशु, सहायक आयुक्त उद्योग अरुण कुमार, सहायक आयुक्त उद्योग रियाजुद्दीन, एलडीएम कानपुर देहात दिलीप चन्द्र वर्मा, एलडीएम कानपुर नगर आदित्य चंद्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, बैंकर्स एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।संयुक्त आयुक्त उद्योग सुनील कुमार ने बताया कि मेगा क्रेडिट कैंप के माध्यम से उद्योग एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। आसान ऋण सुविधा उपलब्ध होने से युवाओं एवं उद्यमियों को स्वरोजगार तथा व्यवसाय शुरू करने में सहायता मिलेगी, जिससे औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के साथ रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।कैंप में उद्योग विभाग एवं बैंक अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान ओडीओपी ओडीओसी , मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना एवं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना सहित विभिन्न योजनाओं के तहत उपलब्ध वित्तीय सहायता, ऋण प्रक्रिया एवं बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बैंकर्स से पात्र लाभार्थियों के ऋण आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण तथा स्वीकृत ऋणों का शीघ्र वितरण सुनिश्चित करने को कहा।इस अवसर पर स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 15 लाभार्थियों को बैंकों की ओर से ऋण स्वीकृति पत्र एवं चेक प्रदान किए गए। मेगा क्रेडिट कैंप के अंतर्गत सितंबर माह में कानपुर जनपद के विभिन्न बैंकों द्वारा लगभग 6691 लाभार्थियों को कुल 578 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया।

मकनपुर रोड पर मिला अधेड़ का शव

कानपुर। लगभग 09:00 बजे मकनपुर रोड पर एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुँची। मृतक की पहचान राजकिशोर उर्फ राजू, निवासी देववा गांव, उम्र लगभग 45 वर्ष के रूप में हुई है, जो बिल्हौर में पिछले करीब 20-22 वर्षों से कॉस्मेटिक की दुकान संचालित करते थे। मौके से मृतक की साइकिल तथा शव के पास ही सिर भी बरामद हुआ है। पंचायतनामा की कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा जा रहा है। फील्ड यूनिट द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए जा रहे हैं तथा सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। जांच में प्राप्त तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली अफवाहों एवं भ्रामक सूचनाओं पर सतर्कता बरतने के दिए निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी द्वारा थाना बाबूपुरवा क्षेत्रान्तर्गत प्रस्तावित गौसिया जुलूस मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जुलूस के प्रस्तावित मार्ग, प्रमुख चौराहों, भीड़भाड़ वाले स्थानों एवं संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया। पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जुलूस के दौरान पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगाने, संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने तथा महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रभावी पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जुलूस मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने एवं आमजन को आवागमन में असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक यातायात प्रबंध पूर्व से सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

साथ ही जुलूस आयोजकों एवं स्थानीय संभ्रांत व्यक्तियों से समन्वय स्थापित कर निर्धारित मार्ग एवं समय का पालन सुनिश्चित कराने, जुलूस के दौरान अनुशासन बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न होने देने के निर्देश दिए गए। सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली अफवाहों एवं भ्रामक सूचनाओं पर सतर्क दृष्टि रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि, विवाद अथवा अप्रिय सूचना प्राप्त होने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस उपायुक्त द्वारा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूर्ण सतर्कता एवं आपसी समन्वय के साथ ड्यूटी का निर्वहन करने तथा जुलूस के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

डेंगू प्रभावित क्षेत्र का किया गया निरीक्षण, निरोधात्मक गतिविधियों का हुआ सत्यापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कानपुर नगर के मौखिक निर्देशों के क्रम में नोडल अधिकारी (वीबीडी) डॉ. राजेश्वर सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह एवं सहयोगी संस्था पाथ के रीजनल कोऑर्डिनेटर डॉ. शिवकांत ने मान्यवर कांशीराम संयुक्त चिकित्सालय एवं ट्रामा सेंटर में संचालित लैब का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही डीटीसी हरजेन्दर नगर स्थित फीवर हेल्प डेस्क का औचक निरीक्षण किया गया।

डीटीसी हरजेन्दर नगर क्षेत्र के सफीपुर प्रथम में डेंगू का केस सामने आने पर प्रभावित क्षेत्र का भौतिक निरीक्षण किया गया। टीम ने बुखार सर्वेक्षण, जांच, सोर्स रिडक्शन, लार्वानाशक छिड़काव सहित अन्य निरोधात्मक गतिविधियों का सत्यापन किया। क्षेत्र में आवश्यक कार्रवाई पूर्ण करा दी गई है। लोगों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए घरों एवं आसपास जमा पानी तत्काल हटाने तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने के प्रति जागरूक किया गया।

हटिया, सफीपुर प्रथम, कुली बाजार चेक, लेबर मंडी, निराला नगर, गोवर्धनपुरवा, अहिल्याबाई नगर पनकी, नवाबगंज एवं पाल बस्ती सरोजनी नगर में 554 घरों का सर्वेक्षण किया गया। इस दौरान 4093 पात्रों की जांच की गई, जिनमें 9 घर लार्वा धनात्मक पाए गए। 22 घरों में लार्वा नष्ट कराने की कार्रवाई की गई। टीमों ने जलभराव वाले स्थानों पर आवश्यकतानुसार लार्वानाशक कार्रवाई करने, खुली त्वचा पर मच्छररोधी क्रीम का प्रयोग करने तथा शरीर के अधिकांश हिस्से को कपड़ों से ढककर रखने की अपील की।

संचारी रोगों की सूचना के लिए हेल्पलाइन सक्रिय

संचारी रोगों से संबंधित सूचना एवं जानकारी के लिए यूएचएम चिकित्सालय, परेड स्थित कंट्रोल रूम में हेल्पलाइन नंबर 0512-2333810 एवं 9335301096 संचालित हैं। वहीं नगर निगम स्थित कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512-2526004 एवं 0512-2526005 हैं। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर संबंधित क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं निरोधात्मक टीमों द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

संवैधानिक आरक्षण एवं अधिकारों की मांग व सुरक्षा को लेकर अधिवक्ता संघर्ष समिति ने दिया ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अधिवक्ताओं ने संवैधानिक आरक्षण एवं अधिकारों की मांग पर सुरक्षा को लेकर महामहिम को संबोधित आठ सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी कों सौपा। बड़ी संख्या में अधिवक्ता डाक्टर भीमराव अंबेडकर द्वार पर एकत्रित होकर पैदल मार्च निकालते हुये जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे जहाँ बाबा साहब अमर रहे, कोलेजियम सिस्टम खत्म करों, आरक्षण कोई भीख नहीं, आरक्षण हमारा जन्मसिद्द अधिकार है, देश संविधान से चलेगा इत्यादि नारों से पूरा जिलाधिकारी परिसर गुंजायमान हों रहा था। ज्ञापन के माध्यम से उपस्थित अधिवक्ताओं नें कहा की संविधान सामाजिक न्याय, सामान अवसर तथा वंचित एवं पिछड़े वर्गों के हितों की रक्षा का महत्वपूर्ण आधार है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़े वर्ग के लिये प्रदान किये गये संवैधानिक प्रावधानों का उद्देश्य इन वर्गों कों शिक्षा, रोजगार एवं सार्वजनिक जीवन में सामान अवसर एवं न्याय उपलब्ध कराना है। हम सभी अधिवक्तागण आठ सूत्रीय ज्ञापन के माध्यम से महामहिम से निम्नलिखित मांग करते है।

एस सी एस टी, ओ बी सी व धार्मिक अल्पसंख्यकों के संवैधानिक आरक्षण की प्रभावी सुरक्षा एवं उचित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाये व आरक्षण से सम्बंधित प्रावधानों में किसी भी प्रकार के कमजोर किये जाने से इन वर्गों के हितों की रक्षा की जाये, जातिगत, सामाजिक एवं शैक्षणिक स्थिति के वास्तविक आकड़ों कों ध्यान में रखते हुये नीतिया बनायीं जाये और सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं में आरक्षित पदों की रिक्तियों कों समयबद्द तरीके से भरा जाये और आरक्षित वर्गों के संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन की शिकायतों के लिये प्रभावी कानून व्यवस्था सुनिश्चित की जाये, कोलेजियम सिस्टम कों अविलम्ब बंद करने के साथ उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति की पारदर्शी व जवाबदेही संवैधानिक व्यवस्था बनायीं जाये।

यू जी सी के प्रावधानों कों अविलम्ब लागू करने के साथ एस सी एस टी व अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों की नियुक्तिया की जाये जिससे जाति के आधार पर हों रहे शोषण पर रोक लग सके इसके साथ ही संवैधानिक एवं सरकारी सस्थाओं के परिसरों में धार्मिक आयोजनों पर रोक लगायी जाये।

कार्यकम में प्रमुख रूप से सियाराम पाल, नरेन्द्र सिंह यादव, श्रीराम गौतम, रामेश्वर दयाल, सुरेंद्र कुशवाहा, आकाश बादल, उमाशंकर त्यागी, तेजबहादुर पाल, के डी गौतम, वेद प्रकाश उत्तम, जिमी पाल, महेंद्र पाल, रियाजुरहमान, दीप सिंह, राजेश सोनकर, नवीन गौतम, सतीश चंद्र पाल, दीपू पाल, वासुदेव पाल, सुशील पाल, राजेश पाल, विनोद पाल, जनार्दन प्रसाद, रामशरण यादव, अभिषेक पाल, राहुल पासवान, अरविन्द प्रताप, अंकुर पाल, दीपेंद्र पाल, विशाल पाल, राजेंद्र पासवान सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा गणेश प्रतिमा विसर्जन स्थल का किया गया निरीक्षण

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी द्वारा थाना गुजैनी क्षेत्रान्तर्गत पुलिस चौकी तात्या टोपे नगर के पनकी नहरिया स्थित गणेश प्रतिमा विसर्जन स्थल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान विसर्जन कार्यक्रम के दृष्टिगत मौके पर की गई सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा उपस्थित पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान विसर्जन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, आवागमन एवं बैरिकेडिंग आदि व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्क रहकर ड्यूटी करने तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न होने देने के निर्देश दिए गए।

श्रद्धालुओं एवं आयोजकों से संवाद कर शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में गणेश प्रतिमा विसर्जन संपन्न कराने हेतु पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई। मौके पर पुलिस बल द्वारा निरंतर निगरानी एवं गश्त करते हुए शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने नव नियुक्त जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर का किया स्वागत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने नव नियुक्त जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर से शिष्टाचार

मुलाकात कर उन्हें पुष्पगुच्छ देकर स्वागत व अभिनंदन किया। जिलाधिकारी ने परिषद प्रतिनिधिमंडल को धन्यवाद देते हुए कहा कि शीघ्र ही कर्मचारियों,शिक्षकों व पेंशनर्स की समस्याओं के समाधान हेतु एक बैठक परिषद के साथ किए जाने का आश्वासन दिया।

परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि कानपुर नगर एक ऐतिहासिक व सांस्कृतिक शहर रहा है

जिसमें विभिन्न प्रकार के सामाजिक एवं सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों के लिए विशेष रूप से जाना जाता है ।एडीएम सिटी सौरभ सिंह को भी पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। प्रतिनिधि मंडल में रणधीर सिंह यादव, सहाब सरताज, जितेन्द्र मिश्रा, अजय द्विवेदी, योगेन्द्र कुमार सिंह, अमित पांडेय, अजीत निगम, पारस नाथ, शैलेन्द्र कुमार, अरशद हलीम, सुखेंद्र यादव, धर्मेन्द्र अवस्थी आदि शामिल रहे।

सिगरेट के पैसे मांगने पर उलझा युवक, दुकानदार को पड़ा भारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र के पीएसी मोड़ पर बुधवार देर रात सिगरेट के पैसे मांगना एक पान दुकानदार के लिए भारी पड़ गया। नशे में धुत बाइक सवार युवकों ने दुकानदार के साथ गाली-गलौज की और मारपीट पर उतारू हो गए। इस घटना का वीडियो गुरुवार सुबह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।गंगागंज बस्ती निवासी शुभम कुमार पीएसी मोड़ पर पान की दुकान चलाते हैं। बुधवार देर रात उनकी दुकान पर दो बाइक सवार युवक पहुंचे। शुभम के अनुसार, एक युवक ने सिगरेट मांगी। सिगरेट देने के बाद जब शुभम ने उससे पैसे मांगे, तो दोनों युवक भड़क गए और गाली-गलौज करने लगे। विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक ने पिटाई करने की नीयत से अपना जूता तक निकाल लिया।हंगामा और शोर सुनकर चौराहे पर तैनात पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और मामले को शांत कराने का प्रयास किया। हालांकि, आरोपी युवक पुलिसकर्मियों से ही उलझ गया। उसने खुद को कानपुर कोर्ट में पिछले चार साल से क्रिमिनल केस की प्रैक्टिस करने वाला वकील बताया और अपनी पहचान का हवाला देकर पुलिस पर धौंस जमाने की कोशिश की। हंगामा बढ़ता देख पुलिस ने आरोपी को जीप में बैठाकर थाने पहुंचाया। मेडिकल जांच कराने पर आरोपी के नशे में होने की पुष्टि हुई। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि दहेली सुजानपुर निवासी नितेश सिंह के खिलाफ शांतिभंग की धारा में कार्रवाई की गई है।

तालाबों की घटती जमीन पर महापौर सख्त 312 तालाबों का सर्वे कराएगा नगर निगम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर में हुए जलभराव और गिरते भूजल स्तर के बीच नगर निगम को पुराने तालाबों के संरक्षण की अब याद आ गई है। महापौर प्रमिला पांडेय ने गुरुवार को प्रेसवार्ता की, जिसमे 312 तालाबों को लेकर बड़ा अभियान चलाने की बात कही। सरकारी अभिलेखों में केडीए की पुरानी सीमा में आने वाले 86 गांवों में 312 तालाब दर्ज हैं।

कानपुर में जलभराव की समस्या को केवल नालों और सीवर की सफाई तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। शहर में जिन प्राकृतिक जलाशयों में बारिश का पानी पहुंचता था, उनमें से कई के अस्तित्व और स्थिति की जांच जरूरी है। तालाबों के खत्म होने या उनके क्षेत्र में निर्माण-अतिक्रमण होने से बारिश के पानी के प्राकृतिक ठहराव और भूजल रिचार्ज की व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

महापौर ने तालाबों के संरक्षण और सर्वे की मांग

महापौर ने इन तालाबों की मौजूदा स्थिति पता लगाने के लिए ड्रोन और जीआईएस सर्वे कराने और राजस्व अभिलेखों से उनकी मूल सीमाएं चिह्नित करने की मांग की है। महापौर ने कहा कि यदि किसी तालाब की भूमि पर आवासीय, व्यावसायिक अथवा किसी अन्य उद्देश्य से विकास किया गया है तो उसके दस्तावेजों और अनुमति की जांच होनी चाहिए। कानपुर विकास प्राधिकरण या किसी दूसरी एजेंसी द्वारा तालाब की मूल भूमि का इस्तेमाल दूसरे उद्देश्य में किए जाने की स्थिति में भी इसकी समीक्षा की जानी चाहिए।

रिकॉर्ड किया जाएगा हर तालाब

अब प्रत्येक तालाब का रिकॉर्ड तैयार किया जाना चाहिए। कहां तालाब है, उसकी मूल जमीन कितनी थी, वर्तमान में कितना क्षेत्र बचा है और उस पर किसी तरह का निर्माण या अतिक्रमण है या नहीं, इसकी पड़ताल सर्वे के माध्यम से कराई जाए।

डेंगू व स्क्रब टाइफस प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग ने चलाया अभियान

» 880 घरों का सर्वेक्षण, 12 में मिला लार्वा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कानपुर नगर के निर्देशों के क्रम में नोडल अधिकारी (वीबीडी) डॉ. राजेश्वर सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह, मलेरिया निरीक्षक अमित कुमार धीमान व आनन्द कुमार, एलटी गणेश शंखवार तथा जनपदीय टीम ने श्याम नगर स्थित सोनी ज्वैलर्स के पास सामने आए स्क्रब टाइफस तथा डीटीसी कैंट के अंतर्गत यूपीएचसी फेथफुलगंज के समीप मिले डेंगू केस का भौतिक निरीक्षण किया। टीम ने प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई कराते हुए लोगों को मच्छरजनित रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया।

यूपीएचसी फेथफुलगंज स्थित फीवर हेल्प डेस्क का निरीक्षण कर बुखार सर्वेक्षण, जांच, सोर्स रिडक्शन तथा अन्य निरोधात्मक गतिविधियों का सत्यापन किया गया। बिल्हौर, बिधनू, कल्याणपुर, फेथफुलगंज

और श्याम नगर में पोर्टल पर दर्ज डेंगू एवं स्क्रब टाइफस के मामलों के सापेक्ष आवश्यक कार्रवाई पूर्ण करा दी गई है। बिल्हौर के रूगांव में डेंगू केस के सापेक्ष स्वास्थ्य शिविर लगाकर 18 मरीजों की जांच की गई, जिसमें एक मरीज की मलेरिया जांच हुई और कोई भी मरीज धनात्मक नहीं पाया गया।

स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने फेथफुलगंज, लोकमान मोहाल, शूटरगंज, ग्वालटोली, पोखरपुर, बाबूपुरवा, कृष्णा नगर, श्याम नगर, विष्णुपुरी, काकादेव, गुंजन विहार और यशोदा नगर समेत विभिन्न क्षेत्रों में एंटमोलॉजिकल सर्वेक्षण, सोर्स रिडक्शन और लार्वानाशक छिड़काव किया। अभियान के दौरान 880 घरों का सर्वेक्षण किया गया। 7,105 पात्रों की जांच में 12 घर लार्वा धनात्मक पाए गए, जबकि 20 घरों में लार्वा नष्ट कराया गया।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से घरों और आसपास पानी जमा न होने देने, जलभराव समाप्त करने, मच्छरों से बचाव के लिए रिपेलेंट क्रीम का प्रयोग करने तथा शरीर को कपड़ों से ढककर रखने की अपील की। संचारी एवं वाहक जनित रोगों से संबंधित सूचना के लिए यूएचएम चिकित्सालय, परेड स्थित कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512-2333810 एवं 9335301096 तथा नगर निगम कंट्रोल रूम के नंबर 0512-2526004 और 2526005 पर संपर्क किया जा सकता है।

मृतक दवा व्यापारी विनीत मनुचा के बेटे सुब्रत को पुलिस ने किया गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के चर्चित विनीत मनुचा हत्याकांड में एक पहलू सामने आया गया है। मृतक विनीत मनुचा के बेटे बेटे सुब्रत को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनो आरोपियों शालू विशाल की रिमांड के दौरान जब सुब्रत के सामने बैंठा कर पुलिस ने पूछताछ करी तो कुछ नए तथ्य सामने आए हालांकि सुब्रत ने हत्या कबूल नहीं करी है। पुलिस परिस्थिति जन्य सबूत जुटा रही है, साथ ही हत्या की रात पुलिस आरोपियों के मूवमेंट की टाइमलाइन भी खंगाल रही है। पुलिस को सुब्रत के ऊपर 20 लाख रूपए के कर्ज होने के भी सबूत हाथ लगे है पुलिस इस की भी जांच कर रही है। विशाल और सुब्रत के बीच 258 कॉल कर गए थे नई सिम से भी सुब्रत को पांच बार विशाल ने कॉल की थी पुलिस इस बात की भी तह में भी जाने की कोशिश करेगी, कि 22 जुलाई के बाद सीसीटीवी बंद क्यों हुआ। पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने खुद तीनों आरोपियों से पूछताछ करी है फिलहाल पुलिस सीसीटीवी, और आर्थिक दबाव के एंगल पर जांच कर रही है।

कानपुर मेट्रो ने शुरू किया विजय नगर स्टेशन के पास सड़क सुधार का काम

» आमजन की परेशानी और यातायात की व्यवस्था में होगा सुधार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जहां एक तरफ कानपुर सेंट्रल से नौबस्ता तक मेट्रो सेवा विस्तार की तैयारियां चल रही हैं, वहीं दूसरी तरफ कॉरिडोर-2 के एलिवेटेड सेक्शन के निकट परियोजना से जुड़ी सड़कों के पुनर्स्थापन कार्य भी योजनाबद्ध रूप से शुरू कर दिए गए हैं। इसी क्रम में विजय नगर स्टेशन से दादा नगर की ओर जाने वाली सड़क के रेस्टोरेशन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

विजय नगर स्टेशन से दादा नगर पुल तक सड़क को बेहतर बनाने का कार्य किया जा रहा है।

शहर के अत्यंत व्यस्त इलाकों में से एक इस सड़क पर रोड रेस्टोरेशन कार्य के दौरान आमजन और वाहन चालकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। कार्यस्थल पर सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग की गई है और यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई है।

मेट्रो निर्माण कार्य के समानांतर किए जा रहे इन सड़क सुधार कार्यों से सड़क की स्थिति बेहतर होगी और यातायात सुगम बनाने में मदद मिलेगी। कार्य पूरा होने के बाद क्षेत्र के वाहन चालकों एवं आसपास के निवासियों को आवागमन में सहूलियत होगी।

नकली रेबीज वैक्सीन का कानपुर कनेक्शन दिल्ली क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

New RJ Agencies का मालिक हिरासत में, कहां बनी नकली दवा, कहां तक पहुंची सप्लाई? कानपुर से कई शहरों तक सप्लाई का शक, नकली वैक्सीन के पूरे नेटवर्क की तलाश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। दिल्ली में कथित नकली रेबीज वैक्सीन की बरामदगी के बाद इसके तार कानपुर से जुड़ने का मामला सामने आया है। दिल्ली के भागीरथ पैलेस इलाके में छापेमारी के दौरान 481 यूनिट कथित नकली Abhayrab वैक्सीन बरामद होने के बाद जांच एजेंसियां इसके सप्लाई नेटवर्क की पड़ताल में जुट गई हैं। जांच में कथित तौर पर वैक्सीन की सप्लाई कानपुर की Ne2 RJ Agencies से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है।मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली क्राइम ब्रांच ने जांच आगे बढ़ाते हुए Ne2 RJ Agencies के मालिक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। जांच का मुख्य फोकस इस बात पर है कि कथित नकली वैक्सीन का निर्माण कहां किया गया, यह कानपुर तक किस माध्यम से पहुंची और यहां से किन-किन शहरों या मेडिकल प्रतिष्ठानों तक इसकी सप्लाई की गई।मामले के सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश ड्रग विभाग की टीम ने भी कार्रवाई शुरू कर दी है। विभाग की ओर से कानपुर की संबंधित एजेंसी समेत दो स्थानों पर छापेमारी किए जाने की जानकारी है। कार्रवाई के दौरान बरामद कथित वैक्सीन के 120 वायल जांच के लिए कसौली स्थित प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही वैक्सीन के असली या नकली होने की स्थिति और इसकी गुणवत्ता से जुड़े तथ्यों की पुष्टि हो सकेगी।

कई शहरों तक सप्लाई की आशंका

जांच एजेंसियां अब कथित नकली वैक्सीन के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हैं। आशंका है कि यदि कानपुर से इसकी सप्लाई आगे हुई है तो अन्य शहरों में भी इसकी खेप पहुंची हो सकती है। फिलहाल जांच का दायरा सप्लाई चेन, खरीद-बिक्री के दस्तावेज और संबंधित लोगों की भूमिका तक बढ़ाया जा रहा है। प्रयोगशाला जांच और पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होने की उम्मीद है।

घंटा घड़ियाल बजा सीएम ग्रिड सड़क का दीपावली से पहले निर्माण करने व गड्ढे भरने की मांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र , किदवई नगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष अशोक शुक्ला, के नेतृत्व में सीएम ग्रिड निर्माण में लापरवाही व गड्ढे में गिरने से घायल हुए ट्रांसपोर्ट नगर के एक कर्मचारी व अन्य लोगों के साथ मार्बल मार्केट किदवई नगर की सीएम ग्रिड की सड़क में किड ज़ी स्कूल के सामने गड्ढे के आगे सड़क पर घंटा घड़ियाल बजा कर धरना प्रदर्शन करते हुए सीएम ग्रिड सड़क का दीपावली से पहले निर्माण करने व गड्ढे भरने की मांग की।

व्यापारियों ने कहा कि अगर दीपावली तक सीएम ग्रिड ये सभी सड़को का निर्माण नहीं हुआ तो कानपुर में 200 करोड़ रुपए का व्यापार प्रभावित होगा। मार्बल मार्केट से के-ब्लॉक किदवई नगर तक बनने वाली सीएम ग्रिड की सड़क के बीच में किडजी स्कूल वाले चौराहे पर एकत्र व्यापारी गड्ढे के आगे सड़क पर बैठकर ÷ सीएम ग्रिड की सड़कें ठीक करो कानपुर महानगर की सड़कें ठीक करो के नारे लगाते हुए नारेबाजी करने लगे।इस दौरान *भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि अगर दीपावली तक सीएम ग्रिड की मार्बल मार्केट किदवईनगर वाली, यशोदा नगर से हमीरपुर रोड, ग्रीन पार्क से घंटाघर, साकेतनगर व करही वाली सभी सड़को का निर्माण दीपावली से पहले नहीं हुआ तो कानपुर में 200 करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यापार प्रभावित होगा

सीएम ग्रिड की सड़क किडजी स्कूल चौराहे के पास धरना प्रदर्शन के दौरान प्रमुख रूप से भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिला युवा महामंत्री मनोज विश्वकर्मा, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ पांडेय, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अब्दुल वहीद, किदवईनगर उद्योग व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जय कुमार शर्मा टीटू, शरद मिश्रा व संजय गुप्ता, राकेश गुप्ता, मो. ताहिर ,अनुराग गुप्ता, शरद गुप्ता, विवेक गुप्ता, अनिल अवस्थी, प्रकाश गुप्ता उपस्थित रहे।

36 घंटे की बारिश से यूपी बेहाल

हादसों में 15 मौतें, मकान गिरे, सड़कें धंसी हजारों लोग प्रभावित, बारिश का कहर

पूर्वांचल, अवध, बुंदेलखंड और मध्य यूपी में बारिश का कहर, कई जिलों में स्कूल बंद, राहत-बचाव दल अलर्ट पर

सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र

- पूर्वांचल, अवध और तराई में लगातार बारिश
- बांदा में 146 मिमी वर्षा दर्ज
- बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर और सिद्धार्थनगर में भारी बारिश
- लखनऊ, अयोध्या, रायबरेली और सुल्तानपुर में जलभराव
- कई ग्रामीण संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त (बॉक्स)
- बारिश से क्यों बढ़ रही मौतें?
- कच्चे मकानों और जर्जर दीवारों का ढहना
- बिजली गिरने की घटनाओं में बढ़ोतरी
- जलभराव वाले क्षेत्रों में दुर्घटनाएं
- कमजोर निर्माण और खराब जल निकासी व्यवस्था

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। मानसून की विदाई से पहले उत्तर प्रदेश में पिछले 36 घंटे से जारी मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। पूर्वांचल, अवध, तराई और बुंदेलखंड के अनेक जिलों में लगातार वर्षा के कारण मकान गिरने, दीवार ढहने, सड़क धंसने, जलभराव और बिजली गिरने जैसी घटनाएं सामने आई हैं। कई परिवार बेघर हो गए हैं और प्रशासन को राहत एवं बचाव अभियान तेज करना पड़ा है। इस दौरान विभिन्न जिलों में 15 लोगों की मौत की भी खबर है। यह आंकड़ा अभी और बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले 24 से 48 घंटे तक कई जिलों में भारी से अति भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है।

राजधानी लखनऊ, कानपुर समेत अयोध्या, रायबरेली, सुल्तानपुर, बाराबंकी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, बांदा और चित्रकूट में गुरुवार रात से लगातार बारिश दर्ज की गई। बांदा में 146 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई, जो प्रदेश में सर्वाधिक रही। कई जिलों में सड़कों पर जलभराव होने से यातायात प्रभावित हुआ और ग्रामीण संपर्क मार्गों को नुकसान पहुंचा। बारिश से जुड़े हादसों में मौतों का सिलसिला भी जारी है। हाल के दिनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों में दीवार और मकान गिरने, बिजली गिरने तथा अन्य वर्षाजनित घटनाओं में कई लोगों की जान जा चुकी है। जानकारी के अनुसार अलग-अलग जिलों में 15 लोगों की मौत हुई थी, जबकि अन्य घटनाओं में भी जनहानि दर्ज की गई है। कानपुर, उन्नाव, चित्रकूट, प्रयागराज, बांदा, मिर्जापुर, अमरोहा और बलिया समेत कई जिलों में मकान ढहने और दीवार गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। बारिश का सबसे अधिक असर ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। कच्चे और जर्जर मकानों की दीवारें लगातार भीगने से कमजोर हो गई हैं। कई गांवों में परिवारों को घर छोड़कर पंचायत भवनों, स्कूलों और अस्थायी राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी है। प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है और लोगों को जर्जर भवनों से दूर रहने की सलाह दी है। प्रदेश में बाढ़ जैसी स्थिति भी बनने लगी है।

कई नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है और निचले इलाके जलमग्न हो रहे हैं। राहत आयुक्त कार्यालय के अनुसार हाल के दिनों में हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नावें, राहत शिविर और मेडिकल टीमें तैनात की गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। रेड और ऑरेंज अलर्ट वाले जिलों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले दो दिनों तक भारी वर्षा जारी रह सकती है, जिससे फ्लैश फ्लड जैसी स्थिति बनने की आशंका है।लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले 46 घंटे से जारी आंधी और बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है।

कई इलाकों में भारी जलभराव, पेड़ गिरने और मकान क्षतिग्रस्त होने की घटनाएं सामने आई हैं। बारिश से अब तक 16 लोगों की मौत की सूचना है, जबकि 5 मकान गिरने की खबर है।बताया जा रहा है कि प्रदेश में एक दिन में सामान्य से करीब 25 गुना अधिक बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश के कारण कई जिलों में सड़कों पर पानी भर गया है और आवागमन प्रभावित हुआ है। सुल्तानपुर में भी तेज बारिश के चलते कई सड़कों पर सन्नाटा पसरा है और पेड़ गिरने का खतरा बना हुआ है। प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाते हुए राहत और बचाव दलों को सतर्क रखा है।

राजनीतिः एसआईआर विवाद के बीच 30 सितंबर को दिल्ली में जुटेगा इंडिया ब्लॉक? ममता बोलीं- राहुल से हुई बैठक की बात

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने शनिवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक की बैठक 30 सितंबर को दिल्ली में होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि बैठक में चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों और विपक्ष की आगे की रणनीति पर चर्चा की जा सकती है।हुगली के श्रीरामपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया भाजपा को विधानसभा चुनाव में फायदा पहुंचाने के लिए की गई और वैध मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए।ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग का इस्तेमाल भाजपा के हित में किया गया। उन्होंने कहा कि अब इससे जुड़ी सच्चाई सामने आ रही है। हालांकि, ये ममता बनर्जी के राजनीतिक आरोप हैं और चुनाव आयोग ने मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया तथा इससे जुड़े दावों पर अपना पक्ष अदालत में रखा है।ममता बनर्जी ने कहा ÷मैंने राहुल गांधी को संदेश भेजा और उनसे कहा कि हमें साथ बैठना चाहिए।÷ उनके मुताबिक, इंडिया ब्लॉक की यह बैठक दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में 30 सितंबर को हो सकती है। ममता के बयान के बाद विपक्षी दलों के बीच बैठक को लेकर समन्वय की कोशिशें तेज होने की बात सामने आई है। रिपोर्टों के अनुसार, ममता बनर्जी ने राहुल गांधी से फोन पर भी बातचीत की थी। उन्होंने जल्द बैठक बुलाने का आग्रह किया।माकपा, भाकपा और भाकपा माले लिबरेशन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने और एसआईआर पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। कांग्रेस ने भी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अपना हमला तेज किया है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक 29 सितंबर को होने वाली है। इसमें इस मुद्दे पर पार्टी की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।प्रस्तावित बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब विपक्षी दल स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) और चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया को लेकर चर्चा कर रहे हैं। ममता बनर्जी और अन्य विपक्षी नेताओं ने एसआईआर की प्रक्रिया तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर सवाल उठाए हैं। विपक्षी दल इस मुद्दे पर संयुक्त रुख और आगे की रणनीति पर विचार कर रहे हैं।सूत्रों के मुताबिक, बैठक में चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों, एसआईआर की प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष की आगे की रणनीति पर चर्चा हो सकती है।

चढ़ावे की रकम से जमीन, मकान, कार और शादी तक का खर्च, आरोपियों की संपत्ति का चार्जशीट में हुआ विश्लेषण

» बीपीएस न्यूज

अयोध्या । रामजन्मभूमि चढ़ावा धनराशि प्रकरण की चार्जशीट में पुलिस ने आरोपियों की बैंक खातों, जमीन-मकान, वाहन, जेवर और अन्य खर्चों का विस्तृत विश्लेषण किया है। पुलिस का दावा है कि गणना कक्ष में दान-चढ़ावे की रकम का इस्तेमाल आरोपियों ने खुद के साथ-साथ परिजनों के खातों और संपत्तियों में किया।चार्जशीट के अनुसार अनुकल्प मिश्रा के पिता रवींद्र कुमार मिश्रा ने कौशलपुरी, अयोध्या में 55 लाख रुपये का मकान वंदना द्विवेदी से खरीदा। 29.50 लाख रुपये बैंक से और 25 लाख रुपये लखनऊ में नकद दिए गए, जबकि 50 हजार रुपये बकाया बताए गए। 29.50 लाख रुपये में से 12 लाख रुपये अनुकल्प के खाते से पिता के खाते में भेजे गए। इसके अलावा 17.50 लाख रुपये रिश्तेदारों व परिचितों रामेंद्र, कौशल और राजीव तिवारी को पांच-पांच लाख रुपये नकद देकर उनके माध्यम से बैंक खाते में जमा कराने तथा 2.50 लाख रुपये रवीन्द्र द्वारा स्वयं खाते में जमा करने की बात कही गई है। चार्जशीट में अनुकल्प के स्विफ्ट डिजायर खरीदने में तीन लाख रुपये नकद और भागवत कथा आयोजन में 7.33 लाख रुपये खर्च करने का भी उल्लेख है। पुलिस के अनुसार इस अवधि में उसके खातों में वेतन के रूप में 3.13 लाख रुपये आए।

धमाके से फिर दहला पाकिस्तान आत्मघाती हमले से 12 की मौत, 18 घायल, इलाके में मची अफरा-तफरी

» बीपीएस न्यूज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के डेरा इस्माइल खान में शनिवार को एक पुलिस चेकपोस्ट को निशाना बनाकर बम धमाका किया गया। यह घटना दराजिंदा इलाके के पास अमन मेला चेकपोस्ट पर हुई। स्थानीय आपातकालीन सेवा रेस्क्यू 1122 के अधिकारियों के मुताबिक, विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य घायल हुए हैं। धमाके के बाद राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचा और मलबे से लोगों को निकालने का काम शुरू किया।

क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी खान मुबाशिर मलिक ने बताया कि हमलावर ने विस्फोटकों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को पुलिस चेकपोस्ट से टकरा दिया। इसके बाद जोरदार धमाका हुआ। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में दो महिलाएं और दो बच्चे भी शामिल हैं। सीमा शुल्क एवं उत्पाद शुल्क विभाग के दो अधिकारी भी हमले में मारे गए हैं।

पुलिस के मुताबिक, यह चेकपोस्ट मुगल कोट और दराजिंदा के बीच डीआई खान-क्वेटा रोड पर स्थित है। यह इलाका खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान की सीमा के करीब है। धमाके में पुलिसकर्मियों और सीमा शुल्क विभाग के कर्मचारियों के अलावा दो आम नागरिकों के भी घायल होने की जानकारी सामने आई है।घायलों को शुरुआती इलाज देने के बाद कई लोगों को दराजिंदा और डेरा इस्माइल खान के मुफ्ती महमूद अस्पताल भेजा गया।

रेस्क्यू 1122 के जिला आपातकालीन अधिकारी मुहम्मद आरिफ खान ने अतिरिक्त एंबुलेंस और कर्मचारियों को भी मौके पर भेजने के निर्देश दिए।

पुलिस ने बताया कि धमाके की प्रकृति और वजह का पता लगाने के लिए बम निरोधक टीम को घटनास्थल पर भेजा गया है। फिलहाल विस्फोट के पीछे की पूरी वजह और जिम्मेदार लोगों को लेकर जांच जारी है। चेकपोस्ट का इस्तेमाल डीआई खान-क्वेटा मार्ग पर सुरक्षा जांच और निगरानी के लिए किया जाता है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

आचार्य प्रमोद कृष्णम को जान से मारने की धमकी, ऑडियो मैसेज से मचा हड़कंप

संभल के ऐंचौड़ा कंबोह स्थित श्री कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें 24 सितंबर की देर रात निजी नंबर पर कॉल आया, जिसके बाद एक पंजाबी भाषा में ऑडियो मैसेज भेजा गया। जिसमें बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। आचार्य ने शनिवार दोपहर प्रेसवार्ता कर इसकी जानकारी दी है।बताया कि धमकी देने वाले ने अपना नाम कुलबीर सिंह सिद्धू बताया है। वह बब्बर ए खालसा आतंकी संगठन का सरगना बताया जा रहा है। ऑडियो में जान से मारने की धमकी दी गई है। आचार्य ने बताया कि उनको पंजाबी भाषा नहीं आती है लेकिन जानकारी कराने पर पता चला है कि पंजाबी में धमकी दे रहे व्यक्ति ने उनके काम को पाखंड बताया है और उसे बंद न करने पर जान से मारने की बात कही है।ऑडियो में बम और रॉकेट लॉन्चर से हमला करने की बात व्यक्ति कह रहा है। बताया कि कुछ दिनों से अंतरराष्ट्रीय नंबरों से कॉल आ रही थीं, लेकिन उन्होंने कॉल उठाई नहीं थी।

कांग्रेस भीख नहीं मांग रही,यूपी चुनाव से पहले खींचतान, इकरा हसन के बयान पर इमरान मसूद का सपा को दो टूक जवाब

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर तनातनी बढ़ती जा रही है। हाल ही में समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन के बयान पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने तीखा पलटवार किया है। मसूद ने साफ शब्दों में कहा है कि कांग्रेस पार्टी अखिलेश यादव के नेतृत्व वाले दल के साथ गठबंधन के लिए भीख नहीं मांग रही है।इकरा हसन ने कथित तौर पर यह बयान दिया था कि उत्तर प्रदेश में केवल सपा प्रमुख अखिलेश यादव ही भाजपा को हराने में सक्षम हैं और कांग्रेस अपने दम पर कुछ खास हासिल नहीं कर सकती।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इमरान मसूद ने कहा, ..तो फिर गठबंधन मत कीजिए। कौन मांग रहा है? क्या हम किसी से भीख मांग रहे हैं? जिसे जो करना है करने दीजिए। जब बरात निकलती है, तो कई ढोल बजाने वाले होते हैं और नाचने-गाने वाले भी होते हैं। इन लोगों को नाचने-गाने दीजिए। हम अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।इसके अलावा, सपा विधायक शिवपाल यादव के उस दावे पर भी मसूद ने निशाना साधा जिसमें उन्होंने कहा था कि इटावा, मैनपुरी और सैफई जैसे सपा के गढ़ों में कांग्रेस को कोई वोट नहीं मिलेगा। मसूद ने कहा कि शिवपाल यादव की बातें अब उनकी अपनी पार्टी में भी प्रासंगिक नहीं रह गई हैं।समाजवादी पार्टी के सांसद रमाशंकर राजभर ने इमरान मसूद का नाम लिए बिना परोक्ष हमला बोलते हुए दावा किया कि कुछ कांग्रेस नेताओं के ऐसे बयानों से आगामी विधानसभा चुनावों में इंडिया ब्लॉक की संभावनाओं को नुकसान पहुंच रहा है।राजभर ने कहा कि सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन का फैसला राहुल गांधी और अखिलेश यादव द्वारा किया जाएगा, लेकिन कांग्रेस नेताओं के इस तरह के बेतुके बयानों का उद्देश्य केवल दबाव बनाना है। साथ ही उन्होंने यह भी तंज कसा कि उत्तर प्रदेश और बिहार में कांग्रेस की ताकत जगजाहिर है।

प्रेमानंद महाराज के शिष्य ने चौथी मंजिल से कूदकर दी जान

» दो साल पहले ली थी दीक्षा, वृंदावन के आश्रम से जुड़े भवन में मिला शव

» बीपीएस न्यूज

मथुरा। संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम से जुड़े एक भवन में रहने वाले 25 वर्षीय शिष्य रसिक दुलारी शरण की चौथी मंजिल से गिरने के बाद मौत हो गई। घटना वृंदावन के वाराह घाट क्षेत्र स्थित गुरु कृपा कुंज भवन की है। प्रारंभिक पुलिस जांच में सामने आया है कि युवक चौथी मंजिल पर गया था और कुछ देर बाद नीचे गिर गया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार, घटना शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे की है। भवन में प्रेमानंद महाराज के आश्रम से जुड़े कई शिष्य और सेवादार रहते हैं। पुलिस ने घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज भी प्राप्त किया है, जिसमें युवक के भवन से नीचे गिरने की बात सामने आई है। युवक ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसकी जांच की जा रही है।घटना के बाद युवक के परिजनों ने आश्रम प्रबंधन को लेकर सवाल उठाए हैं। मृतक के बहनोई के अनुसार, परिवार को सूचना मिलने के बाद वे वृंदावन पहुंचे, लेकिन उनका आरोप है कि उन्हें सीधे अस्पताल जाने के बजाय आश्रम आने के लिए कहा गया और काफी देर तक परिवार की युवक से मुलाकात नहीं कराई गई।परिजनों का यह भी आरोप है कि दो साल पहले दीक्षा लेने के बाद से उन्हें रसिक दुलारी शरण से मिलने में परेशानी होती थी। हालांकि परिवार के इन आरोपों की पुलिस जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने युवक की मौत के कारणों को लेकर किसी निष्कर्ष की घोषणा नहीं की है।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मौत की परिस्थितियों की जांच आगे बढ़ाई जाएगी। पुलिस का कहना है कि मामले में परिवार की शिकायत और सामने आए तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

गिनती शुरू कर दीजिए अखिलेश जी, ओपी राजभर ने सपा प्रमुख को दी खुली चुनौती

उत्तर प्रदेश की राजनीति में मिशन 2027 की बिसात बिछ चुकी है। सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं, वहीं बयानों के तीर भी खूब चल रहे हैं। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओपी राजभर ने एक बार फिर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर बड़ा निशाना साधा है। भौगोलिकसंदर्भ

ओपी राजभर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर किया है जिसमें उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले सरकार द्वारा एक लाख युवाओं को नौकरी देने की बात का जिक्र किया। राजभर ने लिखा, 'का भइया अखिलेश जी, हाल-चाल ठीक है न? वैसे लगता नहीं है कि हाल ठीक होगा। चुनाव से पहले एक लाख युवाओं को नौकरी मिलने जा रही है। वो भी बिना लेन-देन के, बिना भेदभाव के, बिना जात-पात के, बिना क्षेत्रवाद के।'

उन्होंने आगे सीएम योगी के बयान को लेकर लिखा, 'नौ साल में साढ़े नौ लाख नौकरी दी जा चुकी है। दस का आंकड़ा कुछ हफ्तों में पूरा हो जाएगा। सीएम साहब कहे हैं ना कि बस गिनती करते जाइए। तो गिनती शुरू कर दीजिए। वैसे आप ठीक से गिनती ना कर पाएं तो चच्चू (शिवपाल यादव) को लगा दीजिएगा, क्योंकि आपकी सरकार में लूट का सारा हिसाब किताब तो वही रखते थे।'राजभर ने चुटकी लेते हुए कहा कि महाराज चुनाव आ रहा है।

दोपहर 12 बजे तक सोना छोड़ दीजिए। इसके साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि सपा को 2017 में 47 और 2022 में 111 सीटें मिली थीं। आगे चुनौती दी कि इस बार सपा की 47 भी लाकर दिखाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब सपा का समय था तब युवाओं को शूटर बनाया गया था। भेदभाव करके पैसे लेकर नौकरी दी गई थी। शूटर के भरोसे चुनाव जीतने की फिराक में थे, लेकिन वे ढेर हो गए। उन्होंने कहा, 'अब वो अपराधी बचे हैं जो आपके कार्यकर्ता बने घूम रहे हैं। इन्हें उम्मीद है कि सरकार आएगी तो लूटेंगे, अपराध करेंगे।'

ओपी राजभर ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि सपा की सरकार किसी भी कीमत पर नहीं आने वाली है। उन्होंने अपराधियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि जो अपराधी बचे हैं, वे भी जल्दी ही निपट जाएंगे।

राजभर ने अखिलेश यादव को चुनौती भरे लहजे में कहा कहा कि चुनाव ठीक से लड़ें। मुकाबला जब तक बराबरी का न हो, तब तक एकतरफा चुनाव का कोई मजा नहीं है।

नायब तहसीलदार हथगाम/ऐरायां तहसील खागा की कोर्ट में भू-माफिया का कब्जा

» सरकार की साख पर बट्टा लगाने का कार्य कर रहे अधिकारी

» पत्रकार की जमीन को भूलेख में दर्ज करवा भू-माफिया ने बेच दिया

» पत्रकार ने जिलाधिकारी, एसडीएम, राजस्व परिषद आयुक्त से की शिकायत

» आपत्ति के बावजूद बगैर सुनवाई के हो गया फैसला

» बीपीएस न्यूज

फतेहपुर/कानपुर। जिला फतेहपुर की खागा तहसील में नायब तहसीलदार हथगाम/ ऐंरया की कोर्ट में भू-माफिया का कब्जा है। यहां जो वे कहती हैं, उसी के अनुसार आदेश होते है। किसानों की जमीन हड़पने, उनके उत्पीड़न का खेल यहां खुलेआम चल रहा है। भू माफिया की ओर से मिलने वाली धनराशि उनकी जेब में जाती है तो किसानों सहित अन्य लोगों की जमीन पर कब्जा देने का आदेश भी कागजों पर हो जाता है। परेशान व्यक्ति अपनी ही जमीन को बचाने के लिए गुहार लगाता रहता है लेकिन भू-माफिया व अधिकारियों का गठबंधन उनकी आवाज को दबा देता है।उनकी जमीनों को हड़प कर धन का बंटरबाट किया जाता है।

ऐसा ही एक मामला एक पत्रकार का सामने आया है। पत्रकार ने 25 जुलाई 2026 को वाद संख्या -7846/2026 /. 7842/2026 में आपत्ति दर्ज कराई तो नायब तहसीलदार ऐंराया ने उनके साथ भी खेल कर दिया।

पत्रकार तीन अगस्त को अपत्ति की सुनवाई के लिए पहुंचे लेकिन दूसरे दिन आदेश भूलेख पर दर्ज करवा दिया गया।पत्रकार ने बताया कि आदेश पढ़ने पर पता चला कि उनकी आपत्ति को फाइल में लगाया ही नहीं गया। 24 घंटे के अंदर भू माफिया का नाम खतौनी में दर्ज करा दिया गया। 4 अगस्त को जमीन बेच भी दी गई।जब पत्रकार के सात इस तरह का उत्पीडन् हो रहा है तो आम आदमी के साथ क्या होता होगा इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। पत्रकार एमएम सिद्दीकी ने बताया कि उन्होंने इसकी शिकायत जिलाधिकारी फतेहपुर, एसडीएम खागा, राजस्व परिषद आयुक्त से की है।

उफनाई पांडु नदी- 16 परिवारों को घरों से निकाल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया,कई बस्तियों पर मंडराया बाढ़ का खतरा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । पिछले दिनों आई बाढ़ का पानी पूरी तरह उतर नहीं पाया था कि पांडु नदी ने फिर से लोगों की चिंता बढ़ा दी है। नदी का जलस्तर बढ़ने से गोपालनगर की आबादी स्थित मौजा जरौली में पांडु नदी का पानी घुस आया। हालात बिगड़ने की आशंका को देखते हुए एनडीआरएफ और तहसील प्रशासन की संयुक्त टीम ने 16 परिवारों को घरों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। वहीं, प्रभावित क्षेत्र में बचाव कार्य जारी है। पांडु के बढ़ते जलस्तर से गोपालनगर, बर्रा आठ की कच्ची बस्ती, मायापुरम और बिहारीपुरवा समेत आसपास के निचले इलाकों में एक बार फिर बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। कुछ स्थानों पर पानी पहुंचने के बाद लोग अपने सामान और जरूरी वस्तुओं को सुरक्षित करने में जुट गए हैं। बीते दिनों की बाढ़ से उबर रहे परिवारों के सामने दोबारा जलभराव का संकट खड़ा हो गया है।शनिवार को गंगा के जलस्तर में पिछले दिनों की अपेक्षा करीब 42 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जलस्तर में अभी और वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है। इससे गंगा और पांडु नदी के किनारे बसे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। वहीं, प्रशासन की टीमें स्थिति पर नजर रख रही हैं और जरूरत के अनुसार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। बैराज में छोड़ा गया 1.60 लाख क्यूसेक पानीगंगा बैराज के गेज रीडर उत्तम पाल ने बताया कि शनिवार को बैराज का अपस्ट्रीम जलस्तर 113.42 मीटर तथा डाउनस्ट्रीम 112.60 मीटर दर्ज किया गया। बैराज से 1,60,250 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था। शनिवार की रात आठ बजे तक शुक्लागंज में गंगा का जलस्तर 111.34 मीटर तक पहुंच गया। बताया कि नरौरा से 17,294 तथा हरिद्वार से 44,549 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना है।

भारतीय अहसास को आवाज़ देने वाले सुर

स्वर कोकिला लता मंगेशकर

हिन्दुस्तानी सिनेमा में बड़े-बड़े गायक आए, अपनी छाप छोड़ गए। मगर कुछ आवाज़ें ऐसी होती हैं जो सिर्फ गीत नहीं रहतीं, वो हमारी यादों का हिस्सा बन जाती हैं। लता जी ऐसी ही आवाज़ थीं, हैं और रहेंगी। इश्क़ हो, जुदाई हो, खुशी हो, इबादत हो, वतन से मुहब्बत हो - लता जी की आवाज़ हर जज़्बात के लिए उपयुक्त थी। वहीं उनका स्वर हर हीरोइन पर फिट बैठता था।

लता मंगेशकर के बारे में लिखते हुए सिर्फ 'भारत कोकिला' कह देना काफी नहीं है। यह उनकी हस्ती को एक लफ़्ज़ में बंद करने जैसा है। उनकी असल अज़मत को समझना है तो उनकी आवाज़ की बारीकियों में जाना होगा - सुर की पाकीज़गी, लफ़्ज़ों की अदायगी, सांस पर काबू, और हर किरदार के हिसाब से आवाज़ को बदल देने का हुनर।

हिन्दुस्तानी सिनेमा में बड़े-बड़े गायक आए, अपनी छाप छोड़ गए। मगर कुछ आवाज़ें ऐसी होती हैं जो सिर्फ गीत नहीं रहतीं, वो हमारी यादों का हिस्सा बन जाती हैं। लता जी ऐसी ही आवाज़ थीं, हैं और रहेंगी। उनको सुनना सिर्फ एक गाना सुनना नहीं था, वो अपने ही दिल के किसी कोने से मिलने जैसा था, जिसे हम लफ्ज़ों में कह नहीं पाते थे। इश्क़ हो, जुदाई हो, खुशी हो, इबादत हो, वतन से मुहब्बत हो - लता जी की आवाज़ हर जज़्बात के लिए पहले से मौजूद एक ज़ुबान थी।

किस्सा मशहूर है कि शुरू में नौशाद साहब जैसे बड़े संगीतकार ने कह दिया था कि इस लड़की की आवाज़ बहुत पतली है। उस वक्त किसी ने नहीं सोचा था कि यही पतली, कमज़ोर समझी जाने वाली आवाज़ एक दिन पूरे फिल्म संगीत की तस्वीर ही बदल देगी।

उस ज़माने में फिल्मों में भारी, गूंजदार आवाज़ को पसंद किया जाता था। इसलिए जब लता जी की हल्की, नर्म और साफ़-शुफ्फ़ाफ आवाज़ आई तो कई लोग उसे पहचान नहीं पाए। मशहूर गायिका शुभा मुद्गल कहती हैं कि लता जी की आवाज़ हवा जैसी हल्की और मीठी थी, लेकिन जैसे ही वह माइक के सामने आती थी, वह पूरी ताकत और अपनी पहचान के साथ सुरों को बिल्कुल सही जगह पर लगाती थीं। यह कुदरत और रियाज़ का संगम था। उनकी गायकी में सबसे पहली बात जो दिल को छूती है, वह है सफाई, कोई फालतू वज़न नहीं, लफ्ज़ साफ़, सुर सच्चे। वह सीधे दिल में उतर जाती है।

एक बहुत अहम बात - सांस पर काबू। लता जी ने उस्ताद अनिल बिस्वास से सीखा था कि गीत में सांस कहां लेनी है और कहां छोड़नी है, इस तरह कि सुनने वाले को पता ही न चले कि गायिका ने सांस ली है। पार्श्व गायक को एक साथ तीन काम करने होते हैं - सुर को संभालना, लफ्ज़ को बचाना और जज़्बात को निभाना। लता जी ये तीनों काम आसानी से करती थीं।

गुलाम हैदर साहब ने उन्हें सिखाया था कि गाने से पहले बोल का मतलब समझो। हेमंत कुमार ने गद्य को गाना सिखाया, तो मदन मोहन ने लफ्ज़ों में कई रंग भरना। इसीलिए लता जी जब गाती थीं तो लफ्ज़ सिर्फ लफ्ज़ नहीं रहते थे। 'प्यार किया तो डरना क्या' में वही आवाज़ एक चुनौती, एक बगावत बन जाती है। ऊंचे सुर पर जाकर भी वह लड़खड़ाती नहीं। वहां इश्क़ में हिम्मत है। फिर 'अजीब दास्तां है ये' में वही आवाज़ एक खोई हुई याद, एक मीठा सा शिकवा बन जाती है। 'आज फिर जीने की तमन्ना है' में उनकी आवाज़ में खुले आसमान की आज़ादी है। वहीं 'ऐ मेरे वतन के लोगों' में वही आवाज़ पूरे मुल्क के आंसू की आवाज़ बन जाती है।

पार्श्व गायन का सबसे मुश्किल काम है खुद गायब होकर दूसरे में बस जाना। लता जी इसमें बेजोड़ थीं। उनकी आवाज़ मधुबाला पर अलग लगती थी, मीना कुमारी पर अलग, वहीदा रहमान पर अलग और रेखा पर अलग। लगता था जैसे वही हीरोइन गा रही है। इसलिए वह किसी एक हीरोइन की आवाज़ नहीं बनीं, वह हिन्दुस्तानी सिनेमा की महिला की आवाज़ बन गईं। उनका गीत 'आएगा आने वाला' इसका सबसे बड़ा सबूत है। फिल्म 'महल' में मधुबाला पर्दे पर हैं, पर माहौल लता जी की आवाज़ बना रही है। आवाज़ धीरे-धीरे अंधेरे से आती है, जैसे कोई राज़ हो। यह बताया कि आवाज़ भी तस्वीर बन सकती है।

ज्यादा गरम चाय बार-बार पीने से फूड-पाइप कैंसर का खतरा कई गुना बढ़ा

ज्यादातर लोगों को गरमा-गरम चाय पीने का शौक होता है। कप में डालते ही बिना देर फूंक कर ही चाय-कॉफी पीना शुरु कर देते हैं। अगर आपकी भी यही आदत है, तो आप जरा संभल जाए। दरअसल, हालिए एक नई रिसर्च में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। रिसर्च के अनुसार, अधिक गर्म पेय पदार्थ पीने से एसोफेगल कैंसर (भोजन नली के कैंसरी) का जोखिम बढ़ सकता है। चलिए आपको इस बारे में पूरी जानकारी बताते हैं-

इस बारे में क्या है एक्सपर्ट का कहना?

» हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, बहुत ज्यादा गर्म चाय या कॉफी (65एष्ट या उससे अधिक तापमान वाली) बार-बार पीने से एसोफिजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (एक तरह का फूड-पाइप कैंसर) का खतरा काफी बढ़ जाता है।

» करीब 10 लाख वयस्कों पर की गई इस 14 साल की स्टडी के अनुसार, जो लोग अपनी ड्रिंक्स को बहुत गर्म पीना पसंद करते थे, वैसे उनमें यह खतरा ज्यादा होता है।

» अगर आप अत्यधिक गर्म तरल पदार्थ एसोफेगस की परत को बार-बार थर्मल नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे समय के साथ कैंसर जैसे खतरनाक जोखिम देखने को मिल सकता है।

» वैसे यह खतरा ड्रिंक के कारण नहीं, बल्कि उसके तापमान की वजह से होता है।

» सबसे जरुरी बात यह है कि ज्यादातर लोगों में इस कैंसर के होने का कुल खतरा अभी कम है और अध्ययन में एसोफेजियल एडेनोकार्सिनोमा के साथ ऐसा कोई संबंध नहीं पाया गया।

» जो लोग नियमित तौर पर बहुत ज्यादा गर्म ड्रिंक का सेवन करते हैं, उन्हें 6 या उससे ज्यादा कप, उनके लिए बड़ा खतरा साबित होगा।

चाय-कॉफी को हमेशा गुनगुना ही पिएं

» हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि चाय या कॉफी पीने से पहले उसे कुछ मिनट में ठंडा रहने दें।

» यदि चाय होंठों या जीभ पर बहुत ही ज्यादा गर्म लगे, तो शायद उनका तापमान सुरक्षित सीमा से ज्यादा है।

दवा कारोबारी मर्डर : 'पिता के थे अवैध संबंध', सुब्रत बोला इसलिए मारा

पुलिस लड़ेगी केस, शालू को छुड़वाने के लिए लगाए जाएगी क्लोजर रिपोर्ट, शालू के फंसने का थोड़ा दुख जरूर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में कल्याणपुर इंद्रानगर के दवा कारोबारी विनीत मिनोचा की हत्या उसके बेटे सुब्रत ने 40 लाख रुपये के कर्ज और पिता की अय्याशी से आजिज होकर कराई थी। पुलिस कस्टडी रिमांड के दौरान शालू और नौकर विशाल का सामना होने और पुलिस के पास उपलब्ध उसके खिलाफ साक्ष्य देखने के बाद बुधवार रात 2-30 बजे आखिर सुब्रत ने स्वीकार कर लिया।

पांच सितंबर को विनीत की हत्या उनके फ्लैट में की गई थी। हत्या के आरोप में विनीत की बहू शालू, पुराने नौकर विशाल और उसके साथी राजकिशोर को जेल भेजा गया था। पुलिस को सुब्रत पर भी शक था इसलिए बुधवार को रिमांड लेकर शालू, सुब्रत और विशाल का आमना-सामना कराया।

इसी दौरान विशाल ने हत्या कराने के लिए सुब्रत का नाम लेकर मामले में नया मोड़ ला दिया था। पुलिस के पास विशाल के बयान और सुब्रत के खिलाफ तमाम डिजिटल और साक्ष्य थे, जिन्हें देखते हुए उसे हत्या कराने की साजिश स्वीकारनी पड़ी। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि सुब्रत को जुए, सट्टे और कैसीनो के अलावा महंगी शराब पीने का शौक था।उसकी इन आदतों ने उसे 40 लाख का कर्जदार बना दिया था। इस रकम में 14 लाख रुपये वह भी शामिल हैं, जो शालू ने अपने पिता से सुब्रत को दिलाए थे। उसे 55 हजार रुपये प्रतिमाह बतौर किस्त देने पड़ते थे। वहीं, पिता उसे मात्र 40 हजार रुपये महीना देते थे, जबकि खुद हर रविवार को हजारों रुपये अपनी अय्याशी पर खर्च करते थे।

विनीत के महिलाओं और लड़कियों से भी अवैध संबंध थे। कर्ज और महंगे शौक के चलते सुब्रत ने नौकर विशाल की मदद से छह माह के भीतर अपनी ही दुकान से चार पांच बार दवाओं की चोरी भी कराई थी। इस पर विनीत आए दिन उसे कर्मचारियों के सामने बेइज्जत करते थे।

सुब्रत ने पुलिस को बताया कि पिता की अय्याशी अब हदें पार करने लगी थीं। वह उसे भी महिलाओं और लड़कियों के साथ अपनी तस्वीरें दिखाने लगे थे। इससे उसे लगने लगा था कि कहीं किसी दिन किसी महिला को पिता उसकी मां बताकर अपने साथ घर न ले आएं, जिससे संपत्ति का खतरा खड़ा हो जाए।

इन्हीं दोनों वजह से उसने अपने पुराने नौकर विशाल को पिता की हत्या के लिए तैयार किया। पहले पिता को एक्सीडेंट में मरवाने की साजिश रची गई। सुब्रत ने मीडिया को बताया कि उसे पिता के मरने का अफसोस नहीं है, लेकिन शालू के फंसने का थोड़ा दुख जरूर है।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि अभी तक वादी रहा सुब्रत खुद ही आरोपी बन गया है। अब इस केस को वादी बनकर पुलिस लड़ेगी। वहीं, पूरे मामले में शालू का कोई दोष सामने नहीं आया है। इसलिए जल्द ही क्लोजर रिपोर्ट लगाकर उसे जेल से रिहा कराने का प्रयास किया जाएगा।

भाजपा नेता के बेटे और बीवी की दर्दनाक मौत

» ग्रेनो बस हादसे में जल गए जिंदा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर/ग्रेटर नोएडा । यमुना एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस में आग लगने से हुए हादसे में जान गंवाने वाले सभी नौ यात्रियों की पहचान हो गई है। शुक्रवार को तीन और मृतकों की पहचान हुई। इनमें से एक ओमप्रकाश, नोएडा के निवासी के तौर पर हुई। परिवार ने उनके गले में पड़े चेन से उनकी पहचान की। इसके अलावा अन्य दो की पहचान महोबा निवासी सुनीता गुप्ता (50) और उनके बेटे शशांक गुप्ता के रूप में हुई। दोनों चरखारी कोतवाली कस्बा क्षेत्र के राज मंदिर इलाके के रहने वाले थे। परिजनों के अनुसार सुनीता गुप्ता पिछले करीब एक महीने से अपने बेटे शशांक के पास गुरुग्राम में रहकर घुटनों और पैरों की बीमारी का इलाज करा रही थीं। वह चलने-फिरने में असमर्थ थीं। परिवार में एक रिश्तेदार को हार्ट अटैक आने के बाद शशांक अपनी मां को लेकर महोबा लौट रहे थे। दोनों बस की पिछली सीट पर बैठे थे।

परिजनों ने बताया कि बस में आग लगने के बाद धुआं तेजी से फैलने लगा और यात्रियों में भगदड़ मच गई। इस दौरान शशांक के पास शीशा तोड़कर बाहर निकलने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने चलने में असमर्थ मां को अकेला छोड़ने से इनकार कर दिया। मां को बचाने के प्रयास में वह भी आग की चपेट में आ गए। अत्यधिक धुएं के कारण दोनों के बेहोश होने और आग में फंसने की बात परिजनों ने बताई है। हालांकि, हादसे के इस घटनाक्रम की स्वतंत्र पुष्टि जांच के माध्यम से होनी बाकी है। परिवार के मुताबिक सुनीता अपने पैरों की बीमारी के कारण खुद चलकर बस से बाहर निकलने की स्थिति में नहीं थीं। शशांक ने मां को बचाने का प्रयास किया, लेकिन दोनों की जान नहीं बच सकी। शुक्रवार को शवों की पहचान होने के बाद परिवार को हादसे की जानकारी मिली।

पुलिस के अनुसार हादसे में जान गंवाने वालों में मध्यप्रदेश के छतरपुर निवासी श्रुति रावत, हमीरपुर के राठ निवासी 52 वर्षीय सरोज गुप्ता और उनके 28 वर्षीय बेटे मयंक गुप्ता शामिल हैं। इसके अलावा हरियाणा के हिसार निवासी 60 वर्षीय देवेंद्र सहाय भारद्वाज, जालौन निवासी 55 वर्षीय हर शरण गुप्ता और हमीरपुर के मुस्कुरा निवासी 65 वर्षीय ऊषा देवी की भी पहचान हो चुकी है। शुक्रवार को ओमप्रकाश, नोएडा के निवासी, सुनीता गुप्ता और शशांक गुप्ता की पहचान के बाद कुल नौ मृतकों की शिनाख्त हो गई है।

बुधवार रात यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर क्षेत्र में चलती स्लीपर बस में आग लग गई थी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया, जिससे नौ यात्रियों की मौत हो गई। हादसे में कई यात्री झुलस गए और बस में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया गया। आग के कारण शव बुरी तरह झुलस गए थे, जिससे पहचान की प्रक्रिया में परेशानी हुई। पुलिस और संबंधित अधिकारियों ने शवों की शिनाख्त के लिए आवश्यक कार्रवाई की। हादसे के बाद बस के संचालन, सुरक्षा व्यवस्था और आग लगने के कारणों को लेकर जांच चल रही है। पुलिस दुर्घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही है। शुक्रवार को दो और मृतकों की पहचान होने के बाद अब परिवारों को उनके परिजनों के संबंध में जानकारी मिल सकी है, जबकि एक मृतक की पहचान का इंतजार है।

झूठी शिकायतों पर पुलिस कमिश्नरेट से नोटिस आने पर संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति का ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर का एक प्रतिनिधि मंडल नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय से मिलकर झूठी शिकायतों पर पुलिस कमिश्नरेट से नोटिस आने एवं कर्मचारियों को मानसिक व सामाजिक रूप से प्रताड़ित करने पर रोष व्यक्त करते हुए शासनादेश के क्रम में ज्ञापन प्रेषित किया।समिति के नेताओं ने कहा कि हमारे नियुक्ति प्राधिकारी नगर आयुक्त महोदय हैं बिना इनके अनुमति के किसी भी तरह का नोटिस देना या दूरभाष द्वारा बुलाया जाना अनुचित है इस पर तत्काल रोक लगाए जाने की मांग की गई।

नगर आयुक्त द्वारा प्रतिनिधि मंडल को स्पष्ट किया गया कि हमारी बात हो गई है आज के बाद से किसी भी कर्मचारी अधिकारी को नोटिस नहीं आएगी ना ही किसी को जाने की आवश्यकता है जो भी कार्रवाई आवश्यक जरूरी है उसके लिए मैं स्वयं बैठा हुआ हूँ। इस पर कर्मचारी नेताओं ने नगर आयुक्त का आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधि मंडल में रमाकांत मिश्र, हरिओम वाल्मीकि,जयपाल सिंह, मुन्ना हजारिया, रामगोपाल चौधरी, धर्मेंद्र वाल्मीकि, शिवमंगल,अशोक कुंडे आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कानपुर मेट्रो: कॉरिडोर-2 के अंडरग्राउंड सेक्शन की डाउनलाइन टनल में थर्ड रेल इंस्टॉलेशन का कार्य पूरा

» इंस्टॉलेशन के बाद टेस्टिंग प्रक्रिया भी पूरी; ओएचई के बजाय 750 वोल्ट डीसी थर्ड रेल से संचालित होती हैं कानपुर मेट्रो की ट्रेनें

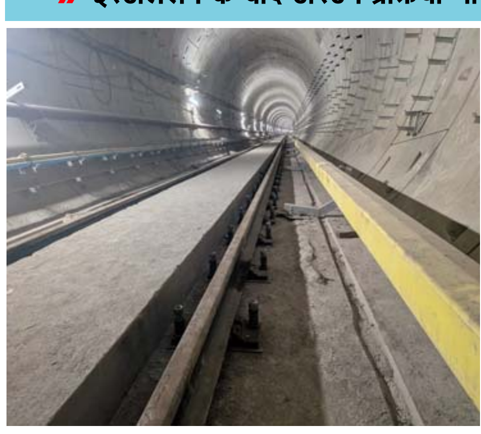

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मेट्रो रेल परियोजना के लगभग 8.60 किमी लंबे कॉरिडोर-2 (सीएसए से बर्रा-8) का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में उक्त कॉरिडोर के लगभग 4.10 किमी लंबे अंडरग्राउंड सेक्शन (रावतपुरङ्कडबल पुलिया) की 'डाउनलाइन टनल' में थर्ड रेल इंस्टॉलेशन का कार्य पूरा कर लिया गया है। इससे पहले विगत माह इसी 'डाउनलाइन टनल' में ट्रैक निर्माण का कार्य पूरा किया गया था। थर्ड रेल इंस्टॉलेशन के बाद इसे ऊर्जीकृत कर टेस्टिंग प्रक्रिया पूरी की गई, जिसमें सभी पैरामीटर सामान्य एवं संतोषजनक पाए गए।

इसके साथ ही, अब सीएसए परिसर स्थित कॉरिडोर-2 डिपो रैंप से विजय नगर स्टेशन के निकट स्थित रैंप तक 'डाउनलाइन टनल' में ट्रैक और थर्ड रेल इंस्टॉलेशन, दोनों का ही कार्य पूरा हो गया है। वहीं, 'अपलाइन टनल' में भी ट्रैक निर्माण और थर्ड रेल इंस्टॉलेशन का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

थर्ड रेल प्रणाली की विशेषताएं एवं प्रमुख लाभ थर्ड रेल प्रणाली में पारंपरिक ओएचई (ओवरहेड इक्विपमेंट) प्रणाली के स्थान पर ट्रैक के समानांतर बिछाई गई एक अतिरिक्त रेल के माध्यम से ट्रेनों को विद्युत आपूर्ति प्रदान की जाती है।

यह डायरेक्ट करंट (डीसी) आधारित प्रणाली है। कानपुर मेट्रो की ट्रेनें 750 वोल्ट डीसी करंट पर संचालित होती हैं और परिचालन के लिए इसी थर्ड रेल से ऊर्जा प्राप्त करती हैं।

थर्ड रेल ट्रैक्शन सिस्टम का मेंटेनेंस अपेक्षाकृत कम होता है, क्योंकि इसमें पतंगबाजी आदि के कारण बिजली की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका नहीं रहती।

चूंकि थर्ड रेल सिस्टम में विद्युत तारों का कोई सेटअप बाहरी तौर पर दिखाई नहीं देता, इसलिए यह शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर की सुंदरता बनाए रखने में भी सहायक है।

उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक श्री सुशील कुमार ने इस अवसर पर कहा, ÷कॉरिडोर-2 (सीएसएङ्कबर्रा-8) के अंडरग्राउंड सेक्शन में कॉरिडोर-2 डिपो रैंप से विजय नगर स्टेशन के निकट स्थित रैंप के बीच 'डाउनलाइन टनल' में थर्ड रेल इंस्टॉलेशन का कार्य पूरा होना हमारे लिए एक अहम मील का पत्थर है। इस टनल में ट्रैक निर्माण का कार्य भी पहले ही पूरा किया जा चुका है। कॉरिडोर-2 के अंडरग्राउंड और एलिवेटेड, दोनों सेक्शनों में विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय से सिविल निर्माण एवं सिस्टम इंस्टॉलेशन के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। कानपुर मेट्रो की टीम पूरे समर्पण और तत्परता के साथ कार्य कर रही है।

कोडीन सिरप: मुख्य आरोपी का जीजा बांदा से गिरफ्तार

कानपुर। कोडीनयुक्त सिरप की तस्करी के मामले में बिसंडा पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रियांशु उर्फ किशन के जीजा रविंद्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार रविंद्र हमीरपुर में मेडिकल एजेंसी चलाता था। इसी एजेंसी के माध्यम से कोडीनयुक्त सिरप मंगाई गई थी।कोडीनयुक्त सिरप की तस्करी के मामले में बिसंडा पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रियांशु उर्फ किशन के जीजा रविंद्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार रविंद्र हमीरपुर में मेडिकल एजेंसी चलाता था। इसी एजेंसी के माध्यम से कोडीनयुक्त सिरप मंगाई गई थी। बाद में रैपर बदलकर और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर इसे नशे के कारोबार में सप्लाई किए जाने का आरोप है।पुलिस के मुताबिक रविंद्र को शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर बांदा-चित्रकूट मार्ग स्थित बदौसा स्टेशन रोड तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि मेडिकल स्टोरों के बजाय सिरप को अतर्रा, बांदा, चित्रकूट और मध्यप्रदेश के सीमावर्ती जिलों में नशे के कारोबार के लिए महंगे दामों पर सप्लाई किया जाता था।गौरतलब है कि तीन सितंबर को यूपी एसटीएफ और बिसंडा पुलिस की संयुक्त टीम ने 60.45 लाख रुपये कीमत की 30 हजार कोडीन सिरप की शीशियां बरामद की थीं। 250 पेटियों में भरी सिरप के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार कर दो वाहन सीज किए गए थे। मुख्य आरोपी प्रियांशु उर्फ किशन को सात सितंबर को आगरा से गिरफ्तार किया गया था।

2 अक्टूबर तक चलेगा पाक्सो एक्ट जागरूकता अभियान

» 25 माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों को जागरूक करेंगे न्यायिक अधिकारी, 2 अक्टूबर को निकलेगी प्रभात फेरी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पूर्णकालिक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर अभिनव तिवारी ने अवगत कराया कि उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर अनमोल पाल के निर्देशन में जनपद में पाक्सो एक्ट (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012) के प्रति विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।उन्होंने बताया कि 1 अक्टूबर 2026 तक जनपद के 25 चिन्हित माध्यमिक विद्यालयों में किशोर विद्यार्थियों को पाक्सो एक्ट के प्रावधानों, बच्चों के अधिकारों तथा यौन अपराधों से बचाव के उपायों के संबंध में जागरूक किया जाएगा। अभियान के लिए विद्यालयवार रोस्टर तैयार किया गया है। जनपद न्यायालय के न्यायिक अधिकारी निर्धारित विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों को पाक्सो अधिनियम के संबंध में जानकारी देंगे।अभियान का उद्देश्य बच्चों को यौन उत्पीड़न एवं अन्य लैंगिक अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाना है, ताकि वे शिक्षण संस्थानों एवं सामाजिक परिवेश में सुरक्षित रह सकें।उन्होंने बताया कि 2 अक्टूबर 2026 को गांधी जयंती के अवसर पर प्रभात फेरी निकालकर आम जनमानस को पाक्सो एक्ट के प्रावधानों तथा बच्चों के साथ होने वाले यौन अपराधों की रोकथाम के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही अभिभावकों, शिक्षकों एवं आमजन से बच्चों की सुरक्षा के प्रति सजग रहने तथा उन्हें उनके अधिकारों की जानकारी देने की अपील की गई है।

खाद्य उद्यमियों ने रखी अनुपालन की व्यावहारिक समस्याएं, सहायक आयुक्त ने दिया समाधान का आश्वासन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन भवन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के सहायक आयुक्त (खाद्य मंडल) सुनील कुमार शर्मा के साथ कानपुर के खाद्य उद्यमियों की एक विशेष संवाद बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य खाद्य सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं, विभागीय प्रक्रियाओं तथा स्रस्स्द्ध नियमों के अनुपालन में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों पर सीधी और सकारात्मक चर्चा करना रहा।

बैठक के शुभारंभ में सभी उद्यमियों ने सहायक आयुक्त खाद्य सुनील कुमार शर्मा का बुके एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत व सम्मान किया।बैठक की जानकारी देते हुए आईआईए के महामंत्री विक्रांत अग्रवाल ने बताया कि इस महत्वपूर्ण संवाद का उद्देश्य उद्यमियों और खाद्य सुरक्षा विभाग के बीच एक सीधा, पारदर्शी और समाधानपरक तंत्र स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि स्रस्स्द्ध के कड़े नियमों और दैनिक परिचालन में उद्योगों को जिन व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें सीधे जिम्मेदार अधिकारी के समक्ष रखा गया है ताकि उनका समयबद्ध, तर्कसंगत और व्यावहारिक समाधान निकाला जा सके।संवाद के दौरान उद्यमियों ने लाइसेंसिंग, पंजीकरण, नवीनीकरण तथा विभागीय निरीक्षण से जुड़ी विभिन्न जटिलताओं को सहायक आयुक्त के समक्ष विस्तार से रखा। सहायक आयुक्त सुनील कुमार शर्मा ने उद्यमियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वस्त किया कि विभाग नियमानुसार उद्योगों की समस्याओं का शीघ्र और व्यावहारिक निस्तारण करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।इस अवसर पर शहर के प्रमुख खाद्य उद्यमी, आईआईए के पदाधिकारी एवं व्यापारिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

किदवई नगर में 28 सितंबर को लगेगा रोजगार मेला, 2600 रिक्तियों पर होंगे साक्षात्कार

हाईस्कूल से परास्नातक, डिप्लोमा, आईटीआई व जीएनएम उत्तीर्ण अभ्यर्थी ले सकेंगे भाग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सहायक निदेशक (सेवायोजन), कानपुर मंडल, कानपुर उज्जवल कुमार सिंह ने बताया कि ''सेवा संकल्प अभियान'' एवं ''उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन'' के अंतर्गत जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष, जिला कार्यकारी समिति, उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के मार्गदर्शन तथा मुख्य विकास अधिकारी के नेतृत्व में प्रादेशिक सेवायोजन कार्यालय, कानपुर नगर द्वारा 28 सितंबर 2026 को प्रातः 10 बजे से संस्कार लॉन, राष्ट्रीय इंटर कॉलेज, एच-ब्लॉक, किदवई नगर, कानपुर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कानपुर नगर द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया जाएगा।उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में महेश त्रिवेदी, विधायक, किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां लगभग 2600 रिक्तियों के साथ प्रतिभाग करेंगी। चयनित अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता एवं पद के अनुसार 10 हजार से 30 हजार रुपये तक मासिक वेतन उपलब्ध कराया जाएगा।उन्होंने बताया कि हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा, आईटीआई एवं जीएनएम उत्तीर्ण अभ्यर्थी रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश सेवायोजन विभाग के पोर्टल ''रोजगार संगम'' पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर निर्धारित तिथि एवं समय पर रोजगार मेले में प्रतिभाग कर साक्षात्कार में शामिल हो सकते हैं।

सड़क हादसे में पत्नी की मौत, डेढ़ घंटे बाद पहुंची एंबुलेंस, पति ने भी दम तोड़ा

कानपुर। गोविंदनगर थाना क्षेत्र के उद्योगकुंज साइट नंबर पांच पर शुक्रवार रात अज्ञात वाहन ने दबौली वेस्ट एमआईजी निवासी फैक्टरीकर्मी दंपती संतोष कुमार शुक्ला (48) और नीलम (45) को कुचल दिया। नीलम की मौके पर मौत हो गई जबकि गंभीर घायल संतोष एंबुलेंस के इंतजार में करीब डेढ़ घंटे तड़पते रहे। इसके बाद हैलट में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृत दंपती के बेटों का आरोप है कि यदि एंबुलेंस समय से पहुंच जाती तो पिता की जान बचाई जा सकती थी। पुलिस अज्ञात वाहन का पता करने लगी है।

मूलरूप रूप से कन्नौज के औसेर गांव निवासी संतोष कुमार शुक्ला अपनी पत्नी नीलम, दो बेटों आशीष और अभिषेक के साथ बीते 30 सालों से दबौली में रह रहे थे। बेटों ने पुलिस को बताया कि पिता पनकी क्षेत्र स्थित इंक फैक्टरी में काम करते थे। मां ने भी करीब 15 दिन पहले ही एक फैक्टरी में काम शुरू किया था। शुक्रवार रात करीब 10 बजे पिता फैक्टरी से निकलने के बाद मां को साइकिल से लेते हुए घर लौट रहे थे। पनकी उद्योग कुंज में केसा के पास तेज बारिश में अज्ञात वाहन ने दोनों को कुचल दिया। मां का सिर कुचल जाने से उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। गंभीर घायल पिता तड़पते रहे।पुलिस ने करीब 10.30 बजे पिता के मोबाइल फोन से उन लोगों को हादसे की जानकारी दी। वह लोग मौके पर पहुंचे। आरोप है कि उनके पहुंचने से पहले ही पुलिस ने सरकारी एंबुलेंस सेवा को कॉल कर दिया था। इसके बाद भी एंबुलेंस देर रात 12 बजे के बाद घटना स्थल पर पहुंच सकी। इस दौरान दोनों बेटे भी पिता को समय से अस्पताल पहुंचाने के लिए निजी वाहन चालकों से संपर्क करते रहे लेकिन कोई वाहन नहीं मिला।एंबुलेंस उन्हें करीब 12ः30 बजे लेकर हैलट इमरजेंसी पहुंची। बेटों का आरोप है कि वहां डॉक्टरों ने भी इलाज में लापरवाही बरतनी शुरू कर दी। कुछ देर बाद पिता को मृत घोषित कर दिया। बेटों के अनुसार यदि समय से पिता को इलाज मिल जाता तो शायद उनकी जान बच जाती। एक ही रात में माता-पिता दोनों को खोने के बाद बेटे बदहवास हो गए।

कानपुरः सिकठिया में धंसी जमीन, बना 40 फीट गहरा गड्ढा महिला ने बच्चों को बचाया, प्रशासन ने कराई बैरिकेडिंग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सरसौल के सिकठिया गांव में मूसलाधार बारिश के चलते अचानक जमीन धंसने से 30 से 40 फीट गहरा गड्ढा बन गया। इस घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। एसडीएम नरवल ने पुलिस व राजस्व टीम को मौके पर भेजकर बैरिकेडिंग और गड्ढा भरवाने के निर्देश दिए हैं।

कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र की विभिन्न ग्राम सभाओं में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जमीन धंसने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसी क्रम में सरसौल के सिकठिया गांव का है, जहां अचानक 30 से 40 फीट गहरा गड्ढा बनने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई।गांव निवासी पप्पू दिवाकर पुत्र स्व. हरीलाल हरी लाल दिवाकर का सैकड़ों वर्ष पुराना मकान पिछली बारिश में गिर गया था, जिसके बाद वह बगल में नया घर बनाकर रहने लगे थे। रविवार सुबह करीब सात बजे पिछले मकान की रसोई वाली जगह पर अचानक जमीन धंस गई।

गड्ढे की गहराई करीब 30 से 40 फीट और चौड़ाई दो से तीन फीट बताई जा रही है। घर के बाहर 10 फीट चौड़ी सड़क है और उससे चार फीट ऊंचाई पर मकान बना हुआ है। इसके बावजूद जमीन धंस गई। ग्रामीणों के अनुसार इस मकान में कई पीढ़ियां बीत गई।लेकिन यहां कभी कुआं या बोरिंग नहीं कराई गई थी। अचानक जमीन धंसने से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शी रेनू पत्नी राजू ने बताया कि सुबह वह छत पर कपड़े डाल रही थी। तभी बाहर छोटे-छोटे बच्चे खेल रहे थे। गड्ढे पर नजर पड़ते ही वह भागकर नीचे आई।

बच्चों को वहां से दूर हटाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जिस जगह गड्ढा बना है, उससे सटी राजू दिवाकर की दीवार है, जिसके गिरने का खतरा भी बढ़ गया है। ग्राम प्रधान आकाश सिंह ने बताया कि सूचना पर स्थानीय पुलिस और राजस्व टीम को अवगत करा दिया गया है।गौरतलब है कि बीते माह पुरवामीर गांव में 18 वर्षीय युवती जमीन में समा जाने से उसकी मौत हो गई थी, जिसके बाद से क्षेत्र में कई जगहों पर जमीन धंसने की घटनाएं हो रही हैं। एसडीएम नरवल सत्यपाल प्रजापति ने बताया कि सूचना मिली है। मौके पर पुलिस और राजस्व टीम भेजी जा रही है। वह स्वयं भी मौके का निरीक्षण करेंगे और गड्ढे के आसपास बैरिकेडिंग कराकर उसे भरवाया जाएगा।

सदन बना दंगल- खींचतान, हाथापाई और गालीगलौज, 10 माह बाद बुलाई गई बैठक में बदहाल सड़कों व जलभराव को लेकर हंगामा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । कार्यकारिणी के 6 नए सदस्यों के चुनाव को लेकर सदन बुलाया गया। हंगामे के बीच सर्वसम्मति से चयन हुआ। करीब 10 माह बाद बुलाई गई नगर निगम सदन की बैठक में शनिवार को जमकर हंगामा हुआ।

बदहाल सड़कों, जलभराव और दूसरों वार्ड में हस्तक्षेप को लेकर पार्षदों के बीच खींचतान, हाथापाई और गालीगलौज तक हुई। पार्षदों के बीच लात-घूंसे चलने तक की नौबत आ गई। वहीं, टेंडर घोटाले, मंगल भवन और हॉट मिक्स प्लांट सहित कई कमेटियों को भंग किए जाने पर महापौर ने नगर आयुक्त से जवाब मांगा। महापौर प्रमिला पांडेय ने शनिवार दोपहर दो बजे कार्यकारिणी के छह नए सदस्यों के चयन के लिए नगर निगम सदन की बैठक बुलाई थी। करीब 25 मिनट देर से बैठक शुरू हुई। सदन में सपा पार्षद रजत कौशिक बाजपेई ने आरोप लगाया कि भाजपा पार्षद विकास जायसवाल उनके वार्ड में बरातशाला और कार्यालय बनवा रहे हैं। उन्होंने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर वार्ड परिसीमन तय करने की मांग की। इस पर पार्षद विकास जायसवाल ने इसे सरकार को बदनाम करने का प्रयास बताया तो रजत ने शासन की रिपोर्ट का हवाला देते हुए जवाब दिया। इस पर भाजपा पार्षद ने सपा पर टोटी चोर का आरोप लगा दिया। इससे दोनों के बीच विवाद बढ़ता गया और नौबत गालीगलौज तक जा पहुंची। मामला बढ़ता देख महापौर को हस्तक्षेप करना पड़ा। उन्होंने पार्षदों को शांत रहने की हिदायत देते हुए कहा कि यह सदन है दंगल नहीं। इसके बाद विकास सदन से बाहर चले गए। वहीं, हंगामे के बीच निष्कासित पार्षद पवन गुप्ता सदन के अंदर आ गए। उन्होंने कार्यकारिणी चुनाव में मत देने की अनुमति मांगी लेकिन महापौर ने नियमों का हवाला देते हुए लौटा दिया।कार्यकारिणी के लिए सर्वसम्मति से भाजपा के पांच और सपा के एक पार्षद का चयन हुआ। इनमें भाजपा से आदर्श गुप्ता, सतीश यादव, जितेंद्र चौरसिया, कौशल मिश्रा, वंदना शर्मा और सपा से रजत बाजपेयी शामिल हैं। इसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। भाजपा पार्षद आकर्ष बाजपेई अमर उजाला अखबार में प्रकाशित खबर सदन में लहराते हुए दिखाई दिए। बोले कि आठ घंटे में बनी सड़क उखड़ गई, क्या कार्रवाई हुई। इस पर नगर निगम जोन-3 के अधिकारियों ने बताया कि सड़क बनाने के दौरान बारिश होने से ऐसा हुआ। संबंधित ठेकेदार को नोटिस दिया है। बारिश के बाद वह फिर सड़क बनाएगा।शहर की समस्याएं को दूर करने के लिए अब हर माह सदन की बैठक होगी। 10 दिन बाद फिर सदन होगा, जल्द कार्यकारिणी की बैठक भी होगी।

कन्नौज- चलती कार बनी आग का गोला बोनट से धुएं के बाद भड़कीं लपटें, चालक की सूझबूझ से बचे चार लोग

» बीपीएस न्यूज

कन्नौज। समधन चौकी क्षेत्र में रविवार सुबह शॉर्ट सर्किट के चलते एक चलती कार के इंजन में अचानक आग लग गई। बोनट से धुआं निकलता देख चालक आरिफ की सतर्कता से कार में सवार कोल्ड स्टोरेज मैनेजर समेत चारों लोग समय रहते नीचे उतर आए।कन्नौज जिले के गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र में शॉर्ट सर्किट से चलती कार के इंजन में अचानक आग लग गई। कार के बोनट से धुआं निकलता देख चालक ने तत्काल कार रोक दी। बोनट खोलते ही इंजन में आग भड़क उठी। चालक की सूझबूझ और आसपास मौजूद लोगों की मदद से पानी डालकर आग पर काबू पाया गया। हादसे में कार सवार चार लोग बाल-बाल बच गए। कोतवाली क्षेत्र की चौकी समधन के मोहल्ला दारा सराय निवासी उसीम की कार को चालक आरिफ उर्फ थर्री रविवार को लेकर सतौरा स्थित कोल्ड स्टोरेज जा रहा था। कार में कोल्ड स्टोरेज के मैनेजर निहाल, कर्मचारी शमीम और एक अन्य व्यक्ति भी सवार थे। सुबह करीब नौ बजे कार फर्रुखाबाद रोड स्थित निजी अस्पताल के सामने पहुंची। इसी दौरान चालक की नजर बोनट से निकल रहे धुएं पर पड़ी। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पायाचालक ने किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए तत्काल कार सड़क किनारे रोक दी। कार में सवार सभी लोग नीचे उतर गए। इसके बाद चालक ने बोनट खोला तो इंजन में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। चालक और आसपास मौजूद लोगों ने आनन-फानन पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

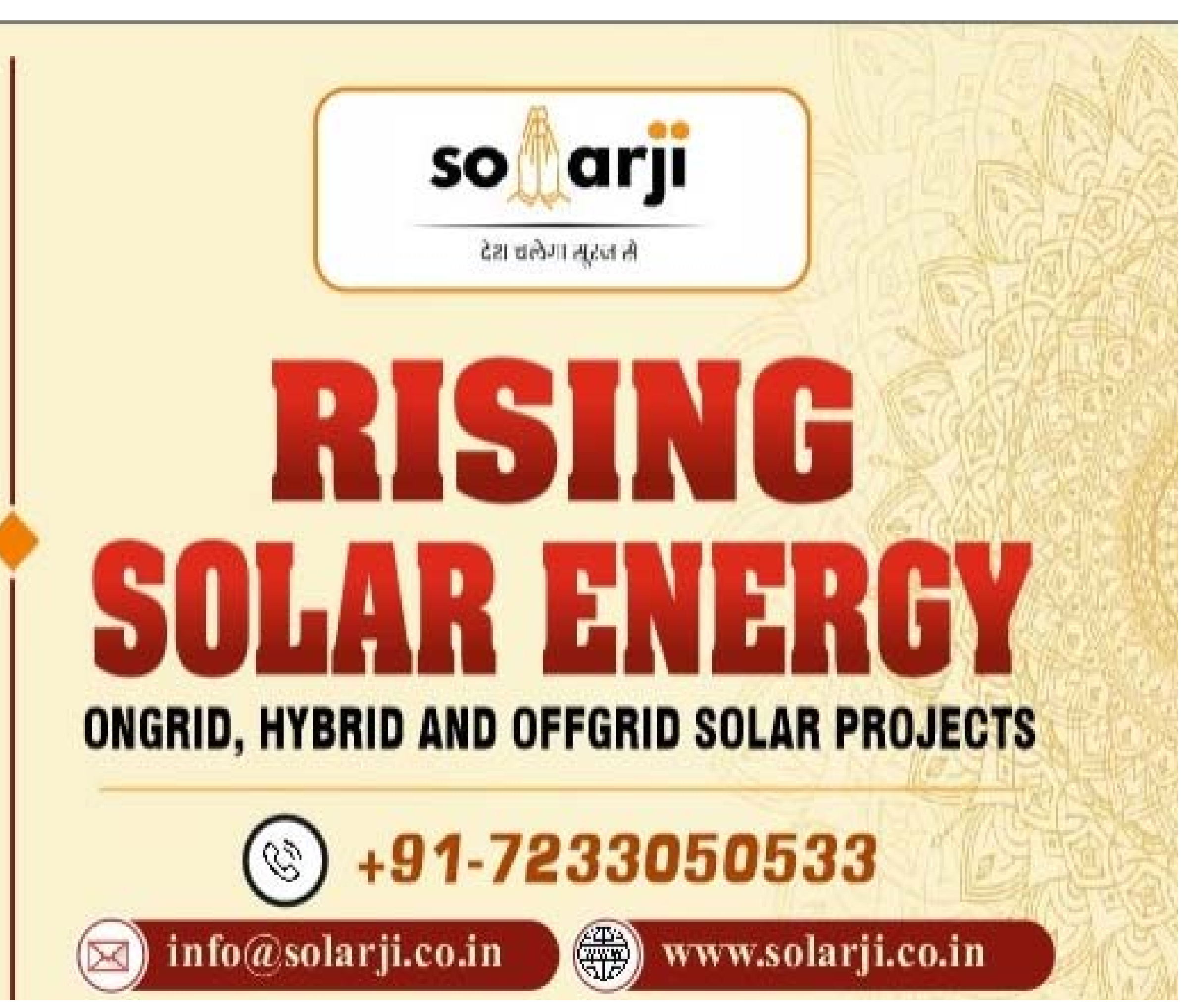

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।